RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 6 , अंकः278, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

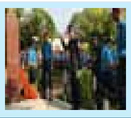

पुलिस दिवस धूमधाम से सम्पन्न, नागरिक–पुलिस सहयोग को सुदृढ़ करने का संकल्प 03

बाइक सवार अपराधियों ने युवक की गोली मारकर की हत्या, चार गिरफ्तार 04

जिनी फिल्म के गाने ‘अब्दी अब्दी’ में कृति शेट्टी और कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने... 07

किन्नरों के साथ अब नहीं चलेगा कोई भेदभाव

जॉब से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं तक रखी जाएगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक बड़े फैसले में ट्रांसजेंडरों को समान अधिकार सुनिश्चित करवाने के लिए बहुत बड़ी पहल की है। शुक्रवार को सर्वोच्च अदालत ने किन्नरों को रोजगार के समान मौके, इलाज का समान अवसर सुनिश्चित करवाने और लैंगिक

- **सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, एक विशेष समिति गठित**

भेदभाव से बचाने के लिए समर्पित समिति गठित की है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला एक ट्रांसवुमन को मुआवजे का आदेश देने के साथ आया है, जिसकी दो राज्यों में टीचर के रूप में नियुक्ति इस वजह से नहीं हो पाई, क्योंकि वह किन्नर है। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने थर्ड जेंडर के भविष्य को सुरक्षित

रखने के महत्व पर जोर देते हुए यह फैसला सुनाया है। इसी के साथ अदालत ने उन्हें समान अवसर, सुरक्षा और समावेशी चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए एक समिति गठित की है। यह समिति उनके समान अधिकार सुनिश्चित करवाने के काम की निगरानी करेगी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कहा गया है कि समिति समान अवसर, समावेशी स्वास्थ्य सुविधा, जेंडर की पुष्टि नहीं करने वाले लोगों की सुरक्षा देखेगी। हमने याचिकाकर्ता को इस वजह से मुआवजा दिया है कि कैसे उसे सेवा से हटा दिया गया। हमें उम्मीद है कि इससे थर्ड जेंडर का भविष्य सुरक्षित होगा। हमने गाइडलाइंस तैयार की हैं और कोई भी संस्था जिनके पास गाइडलाइंस नहीं है, वे केंद्र की ओर से नीति लाए जाने तक इसका पालन करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार इस समिति की अगुवाई रिटायर्ड जस्टिस आशा मेनन करेंगी। इनके अलावा समिति में ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट ग्रेस बानु, अकाई पद्माशाली, गौरव मंडल, मेंबर ऑफ सीएलपीआर बेंगलुरु डॉ. संजय शर्मा, एमिकस क्यूरी के तौर पर वरिष्ठ वकील जयना कोठारी शामिल रहेंगे।

पाकिस्तान के नॉर्थ वजीरिस्तान में आर्मी कैंप पर हमला

- **7 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत,13 घायल,4 उग्रवादी भी मारे गए**

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के नॉर्थ वजीरिस्तान के मीर अली इलाके में शुक्रवार को आत्मघाती हमला हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले में 7 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। इसके अलावा 13 घायल हुए हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक हमले के लिए जिम्मेदार 4 उग्रवादी भी मारे गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक उग्रवादी ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी को आर्मी कैंप की दीवार से टकरा दिया। इसके अलावा तीन कैंप के

अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे, जो जवाबी कार्रवाई में मारे गए। पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा किया है कि हमले में उनका कोई भी सैनिक नहीं मारा गया है। पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने उग्रवादियों से निपटने के लिए सुरक्षाबलों की तारीफ की है। उन्होंने कहा- हमारे बहादुर जवानों को सलाम, जिन्होंने ख्वारिज (आतंकियों) की नापाक साजिश को नाकाम कर दिया। पूरी कौम को अपने वीर सैनिकों पर गर्व है। पिछले कुछ हफ्तों में उत्तरी वजीरिस्तान और अन्य क्षेत्रों में उग्रवादियों के हमले बढ़े हैं।

अमेरिकी हमले के जवाब में टीटीपी का गठन

2001 में अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया, तो कई लड़ाके पाकिस्तान के कबाइली इलाकों में छिप गए। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमले का समर्थन किया। इससे नाराज होकर 2007 में बेतुल्लाह मेहसूद ने 13 विद्रोही गुटों को मिलाकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बनाया। टीटीपी ने कबायली इलाकों में शरिया कानून लागू किया और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और अफगानिस्तान में विदेशी सैनिकों पर हमले किए।

बिहार चुनाव में एनडीए ने झोंकी ताकत तेज किया प्रचार

- **बीजेपी के चुनाव प्रचार में छाया हिंदुत्व का मुद्दा, खेला जारी**

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण के नामांकन की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर खत्म हो गई है। एक तरफ एनडीए टिकट वितरण से निश्चिंत हो कर प्रचार में जुट गया हो तो दूसरी तरफ महागठबंधन अभी भी सीटों के बंटवारा और समायोजन में ही उलझा हुआ है। स्थिति ये है कि मुकेश सहनी की सीट (गौरा बौड़ाम) गुरुवार देर रात फाइनल हुई जिसकी वजह से उन्हें बेहद हड़बड़ी में आखिरी दिन नामांकन करना पड़ा। मुकेश सहनी की पार्टी को 15 सीट मिली है। राजद, कांग्रेस और वाम दल अंत अंत सीटों की पेच सुलझाने में लगे रहे। इनके लिए फिलहाल सिम्बल बांटना ही आसान लग रहा है। इस आपाधापी में झगड़े की नौबत आ गयी है। जैसे बछवाड़ा सीट पर कांग्रेस और सीपीआई दोनों ने उम्मीदवार खड़ा कर दिया है।

भाजपा के 3 मुख्यमंत्रियों ने संभाला मोर्चा

टिकट वितरण से निश्चिंत हो कर भाजपा ने चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है। भाजपा के चार बड़े नेता अलग अलग प्रत्याशियों के नामांकन में आये और चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर भाजपा प्रत्याशियों के जनसमर्थन के लिए पटना पहुंचे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपनी पहली चुनावी सभा में ही हिंदुत्व की भावना उभारने की कोशिश की। यानी इस चुनाव में भाजपा के लिए हिंदुत्व भी एक चुनावी मुद्दा होगा।

रेखा गुप्ता बोलीं, छठी मईया की जय

रेखा गुप्ता लखीसराय के भाजपा उम्मीदवार और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की नामांकन सभा में शामिल हुईं। रेखा गुप्ता ने लखीसराय के प्रसिद्ध शिव मंदिर, अशोक धाम के जयकारे से अपने भाषण की शुरुआत की। फिर उन्होंने 10 दिन बाद से शुरू हो रही छठ पूजा को ध्यान में रख कर छठी मईया की जय, का भी उद्घोष किया। एक राजनीतिक सभा में उन्होंने आध्यात्मिक रंग घोल दिया। रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार से लगाव का जिक्र करते हुए कहे, 11 साल में वे 58 बार बिहार आ चुके हैं। इससे उनके बिहार के विकास की फिक्र को समझा जा सकता है। विजय कुमार सिन्हा की नामांकन सभा को केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और जीतन राम मांझी ने भी संबोधित किया।

आसमान में स्वदेशी योद्धा!

तेजस ने भरी पहली उड़ान

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रॉडक्शन यूनिट का किया उद्घाटन

नासिक (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना को मार्क 1 ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में तेजी लाने के मकसद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने महाराष्ट्र

- **यहां हर साल 8 तेजस बनाए जाएंगे, अभी आठ बनाए जा रहे**

के नासिक में तीसरी प्रोडक्शन लाइन शुरू की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया। नासिक के ओझर की इस फेसिलिटी में बने पहले लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट ने शुक्रवार को पहली उड़ान भरी। इस प्रोडक्शन

लाइन के जरिए वायुसेना को 2032-33 तक 180 तेजस विमानों की आपूर्ति करने में मदद करेगी। यहां अभी आठ फाइटर जेट बनाए जा रहे हैं, जिसे बढ़ाकर 10 किया जा सकता है। वायुसेना के लिए तेजस विमान बना रही एचएएल को सितंबर में ही अमेरिका ने इसका चौथा इंजन भेजा था। इस फाइटर जेट की खूबियों में से एक है कि इसके विंग्स (पंखों) में 9 जगह मिसाइलें फिट होती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हर तेजस मार्क-1ए की औसत कीमत 600 करोड़ रुपए है। फाइटर जेट रफ्तार 2205 किमी/घंटा यानी ध्वनि से भी करीब दोगुनी तेज है। इसका प्रोडक्शन देश की 500 से ज्यादा घरेलू कंपनियों ने मिलकर किया है, इसलिए इसे स्वदेशी तेजस भी कहा जा रहा है। केंद्र ने 19 अगस्त को वायुसेना को 97 तेजस फाइटर जेट खरीदने की हरी झंडी दी थी। इसके बाद 25 सितंबर को रक्षा मंत्रालय ने एचएएलको कॉन्ट्रैक्ट दिया था। केंद्र ने एचएएल के साथ 62,370 करोड़ की डील की है। इसे पाकिस्तान बॉर्डर के पास राजस्थान के बीकानेर स्थित नाल एयरबेस पर तैनात करने की योजना है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस जेट में स्वयं रक्षा कवच और कंट्रोल एक्चुएटर होंगे। तेजस मार्क-1ए के 65 फीसदी से ज्यादा उपकरण भारत में बने हैं।

तेजस मार्क-1ए को खरीदना चाहते हैं दुनिया के कई देश

- **एचएएल चेयरमैन ने लड़ाकू विमान के सौदे पर बताई अंदर की बात**

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स द्वारा बनाए गए स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस मार्क-1ए ने शुक्रवार को नासिक प्लांट से अपनी पहली उड़ान भरी। इस मौके पर एचएएल के चेयरमैन और मैनेजिंग

डायरेक्टर डीके सुनील ने बताया कि कई देश इस विमान को खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विमान तकनीकी रूप से काफी सक्षम है। इसमें किए गए सुधारों को लेकर कई देश अपनी रुचि दिखा रहे हैं। एचएएल चेयरमैन ने कहा, आज हमारे पास एक बहुत ही सक्षम विमान है। अत्यंत सक्षम रडार, हथियारों के मामले में भी इसमें जबरदस्त ताकत है। यह एक अत्याधुनिक विमान है।

स्कूलों व कॉलेजों में संघ की गतिविधियों पर लगेगा बैन

कर्नाटक कैबिनेट का बड़ा फैसला, नया कानून जल्द

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने सरकारी स्कूलों और कॉलेज परिसरों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों को रोकने के लिए नियम लाने का फैसला किया है। राज्य के मंत्री प्रियांक खरगे ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को कर्नाटक कैबिनेट ने राज्य के सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों को रोकने के लिए नियम लाने का फैसला किया है। खरगे की यह टिप्पणी कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की उस टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने एक दिन पहले ही कहा था कि उनकी सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि कैसे सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी संगठन लोगों को परेशान न करे। कर्नाटक कैबिनेट के इस फैसले से राज्यभर के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों और कॉलेजों

के परिसरों में अब आरएसएस की बैठकों और अन्य गतिविधियों पर प्रतिबंध लगने की संभावना है। संघ केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा की मातृ संस्था कही जाती है। बता दें कि प्रियांक खरगे ने ही मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी मंदिरों में आरएसएस की गतिविधियों पर रोक लगाने का आग्रह किया था, और इस संगठन पर युवाओं का ब्रेनवॉश करने और संविधान के विरुद्ध काम करने का आरोप लगाया था। खरगे के इस अनुरोध के बाद उन्हें धमकी भरे फोन कॉल आ रहे थे। इस बीच, बेंगलुरु पुलिस ने महाराष्ट्र के एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर प्रियांक खरगे को फोन किया था और सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों को बैन करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखने को लेकर उनके खिलाफ अभद्र टिप्पणियां कीं। इस आरोपी ने जब खरगे को फोन किया था तब मंत्री ने इस बातचीत का वीडियो बना लिया था।

पहले 16 मंत्रियों का ले लिया इस्तीफा, फिर 26 की शपथ

- **गुजरात कैबिनेट में 19 नए चेहरे,3 महिलाओं को मिली जगह**

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात में भाजपा ने महज 3 साल में सीएम भूपेंद्र पटेल के अलावा लगभग पूरी सरकार बदल दी। पार्टी ने गुरुवार को 16 मंत्रियों से इस्तीफा लिया और शुक्रवार को 26 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। कैबिनेट में 19 नए चेहरे हैं, जबकि पिछली बार के 6 मंत्री ही अपना पद कायम रख पाए हैं। वहीं,

8 ओबीसी, 3 एससी, 4 एसटी और 3 महिलाएं हैं। सीएम समेत 8 मंत्री पटेल समाज से हैं। खास बात यह है कि हटाए गए मंत्रियों पर न तो कोई आरोप था और न कोई कानूनी केस। इसके बावजूद सरकार में बड़े फेरबदल को गुजरात में 2027 के चुनाव की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा ने महज 3 साल में सीएम के अलावा पूरी सरकार को बदल दिया है। पार्टी ने सभी 16 मंत्रियों से इस्तीफा देने को कहा, ताकि नया मंत्रिमंडल बनाने के लिए पूरी आजादी मिले।

बेंगलुरु शहर में बनेगा नया बिजनेस कॉरिडोर

शहर में जाम का होगा काम तमाम, नया है प्रोजेक्ट

बेंगलुरु (एजेंसी)। देश का बड़ा औद्योगिक शहर बेंगलुरु किलोमीटरों तक लगने वाले जाम के चलते चर्चा में रहा है। शहर का जनजीवन भी इस जाम की समस्या

से प्रभावित हुआ है और अब इससे निपटने के लिए बेंगलुरु बिजनेस कॉरिडोर बनाने की तैयारी है। इस 117 किलोमीटर के कॉरिडोर से टेक सिटी को जाम मुक्त करने का प्लान है। यह दिल्ली के रिंग रोड जैसा होगा, जो पूरे बेंगलुरु को बाहर से होते हुए ही कनेक्ट करेगा। कर्नाटक कैबिनेट की ओर से इसकी मंजूरी मिल गई है। इस प्रोजेक्ट को बेंगलुरु डिवेलपमेंट अथॉरिटी की ओर से पूरा किया जाएगा और इसकी टाइमलाइन दो साल की रखी गई है।

तमिलनाडु सरकार को झटका

‘सुप्रीम’ आदेश, राष्ट्रपति के फैसले का इंतजार करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि वह राज्यपाल आर एन रवि द्वारा तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं

- **राज्यपाल से विवाद पर सीजेआई की पीठ ने रोका निर्णय**

खेल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी देने के बजाय उसे राष्ट्रपति के पास भेजने के उनके फैसले को चुनौती देने वाली उसकी याचिका पर निर्णय के लिए राष्ट्रपति के संदर्भ पर आने वाले फैसले

का इंतजार करे। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बी आर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर संविधान पीठ के फैसले के बाद मामले की सुनवाई की जाएगी। पीठ ने कहा, आपको राष्ट्रपति के संदर्भ के नतीजे का इंतजार करना होगा। आपको मुश्किल से चार सप्ताह इंतजार करना होगा। संदर्भ पर 21 नवंबर (सीजेआई गवई की सेवानिवृत्ति) से पहले निर्णय लिया जाना है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति संदर्भ पर 11 सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

हिजाब विवाद के बाद दूसरे स्कूल में दाखिला लेगी छात्रा

केरल में मचा हुआ है कोहराम, प्रिंसिपल ने रखी एक शर्त

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के कोच्चि में चर्च की ओर से चलाए जाने वाले स्कूल में हिजाब पहनने पर विवाद गहरा गया है। छात्रा के माता-पिता ने अपनी बेटी के तनाव में होने का हवाला देते हुए उसका दाखिला किसी अन्य संस्थान में कराने का फैसला किया है, जबकि स्कूल ने कहा कि अगर लड़की नियमों का पालन करती है तो वह पढ़ाई जारी रख सकती है। सेंट रीटा पब्लिक स्कूल की 8वीं कक्षा की छात्रा के पिता ने शुक्रवार को बताया कि उनकी बेटी उस स्कूल में वापस नहीं जाएगी। इस बीच,

छात्रा का समर्थन कर रहे केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने इसे आश्चर्यजनक और विडंबनापूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षिका ने छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति नहीं दी जबकि वह खुद स्कार्फ पहने हुए थीं।

संक्षिप्त समाचार

गौरीचक पुलिस ने तीन वारंटियों, दो शराबियों को पकड़ा एसएचओ अमित कुमार के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

पटना। पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र में पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन गैर-जमानती वारंटियों (NBW) और शराब पीने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी अमित कुमार के नेतृत्व और सेकेंड एसएचओ रवि कुमार की देखरेख में की गई। पुलिस के मुताबिक, न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट के तहत गिरफ्तार किए गए लोगों में खैरा गांव के कलुथ मांझी, जुझारपुर गांव के सगुनी राय और जय प्रकाश राय शामिल हैं। ये तीनों लंबे समय से फरार चल रहे थे और पुलिस की निगरानी में थे। शराब निषेध कानून के उल्लंघन में शराब पीने के आरोप में दो अन्य व्यक्तियों को भी पकड़ा गया। इनकी पहचान खैरा निवासी गोरख राय और चक्रहीमा निवासी शिव कुमार के रूप में हुई है। मेडिकल जांच में शराब के सेवन की पुष्टि होने के बाद दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में अपराधियों और शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि गौरीचक पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है।

बसपा ने मोकामा विधानसभा से प्रत्याशी उतारा

जिला पार्षद कुमार नवनीत हिमांशु का मुकाबला अनंत सिंह और सूरजभान सिंह की पत्नी से होगा

पटना। बिहार चुनाव को लेकर मायावती की पार्टी बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) भा लगातार अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतार रही है। मोकामा विधानसभा क्षेत्र से बसपा ने अपना उम्मीदवार घोषित किया है। पश्चिमी जिला पार्षद कुमार नवनीत हिमांशु इस सीट से चुनाव लड़ेंगे और वे आज अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। बसपा के केंद्रीय कोऑर्डिनेटर मेदनकर और उत्तर प्रदेश के राज्यसभा सांसद रामजी गौतम ने उनके नाम की घोषणा की। बसपा के मैदान में आने से मोकामा का चुनावी मुकाबला और दिलचस्प हो गया है। मोकामा विधानसभा सीट पहले से ही बिहार की हॉट सीटों में से एक बनी हुई है। यहां एक तरफ जेडीयू से बाहुबली अनंत सिंह ने नामांकन किया है, वहीं राजद से पूर्व सांसद वीणा देवी (सूरजभान सिंह की पत्नी) भी अपना नामांकन पत्र दाखिल कर चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, आज दो और प्रत्याशी नामांकन दाखिल कर सकते हैं। इनमें आम आदमी पार्टी से डॉ. रत्नाकर और जन सुराज पार्टी से पीयूष प्रियदर्शी शामिल हैं। 14 अक्टूबर को बसपा ने बिहार विधानसभा को लेकर अपनी पहली लिस्उट जारी की थी। इसमें पश्चिम चंपारण, कटिहार, मधेपुरा, दरभंगा, मुजफ्फपुर, सिवान, सारण, समस्तीपुर, बेगूसराय, भागलपुर, बांका, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया और जमुई को मिलाकर कुल 40 सीटें हैं।

महुआ से एनडीए, बसपा प्रत्याशियों ने भरा नामांकन, अंतिम तारिख पर दो प्रमुख दावेदारों ने किया नॉमिनेशन

हाजीपुर। वैशाली के महुआ विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि पर दो प्रमुख प्रत्याशियों ने अपने पर्चे भरे। इनमें बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की उम्मीदवार रिमझिम देवी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के प्रत्याशी संजय सिंह शामिल हैं। दोनों ही उम्मीदवार अपने हजारों समर्थकों के साथ महुआ अनुमंडल कार्यालय पहुंचे। इस दौरान कार्यालय परिसर और आसपास का क्षेत्र चुनावी उत्साह से गूंज उठा। बसपा प्रत्याशी रिमझिम देवी, जो मिर्जानगर पंचायत की वर्तमान मुखिया गनौर सिंह की पत्नी हैं और पिछले 10 साल से मुखिया पद पर हैं, अपने समर्थकों के साथ पार्टी के चुनाव चिन्ह 'हाथी' और झंडों के साथ पहुंचीं। उनके समर्थकों ने अनुमंडल कार्यालय तक एक बड़ी रैली निकाली। वहीं, एनडीए के प्रत्याशी संजय सिंह ने लोक जनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी) के टिकट पर अपना नामांकन दाखिल किया। वह भी अपने पक्ष में जोरदार उत्साह और जनसमर्थन के बीच नामांकन भरने पहुंचे। नामांकन प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग द्वारा पूरे इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात किए गए थे, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। महुआ विधानसभा सीट पर इस बार रोचक मुकाबला होने की उम्मीद है। एक ओर रिमझिम देवी का स्थानीय पंचायत परिवार से जुड़ाव है, तो दूसरी ओर एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी संजय सिंह का अपना जनाधार है। इन दोनों प्रमुख दावेदारों के नामांकन के साथ ही महुआ सीट पर चुनावी सरगर्मी और बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त, महुआ से महागठबंधन ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वर्तमान विधायक डॉ. मुकेश रौशन को उम्मीदवार बनाया है। तेज प्रताप यादव भी अपनी पार्टी जनशक्ति जनता दल से महुआ सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

सोनपुर मंडल में 2941 बिना टिकट यात्री पकड़े गए, प्रमुख स्टेशनों पर रेलवे ने 18.66 लाख रुपए का जुर्माना वसूला

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल में अक्टूबर 2025 को एक व्यापक टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान 2941 बिना टिकट यात्रियों से 18,66,625 रुपए का जुर्माना वसूला गया। यह कार्रवाई मंडल रेल प्रबंधक के निर्देश पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के नेतृत्व में की गई। यह अभियान सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, मानसी, खगड़िया और नवगछिया सहित मंडल के विभिन्न प्रमुख स्टेशनों और ट्रेनों में चलाया गया। इसमें एक साथ समन्वित टिकट जांच की गई। सत्र 2025-26 में अब तक कुल 4,32,864 यात्रियों को बिना वैध टिकट यात्रा करते पकड़ा गया है। इससे रेलवे को जुर्माने के रूप में 29,21,34,488 का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो सोनपुर मंडल की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। टिकट जांच दल ने बिना टिकट यात्रा, गलत श्रेणी में यात्रा, अनियमित टिकट और मासिक पास के दुरुपयोग जैसे मामलों पर कार्रवाई की। इस संयुक्त अभियान में सोनपुर मंडल के अनुभवी टिकट निरीक्षक, वाणिज्य निरीक्षक और आरपीएफ टीमों ने प्रभावी समन्वय के साथ काम किया। अभियान के दौरान यात्रियों को नियमित टिकट लेकर यात्रा करने के लिए जागरूक भी किया गया। रेल प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे बिना टिकट यात्रा से बचें और रेलवे नियमों का पालन करें, ताकि यात्रा सुरक्षित, सुविधाजनक और अनुशासित बनी रहे।

डकैती करने वाले 10 अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जूते-चप्पल के गोदाम में घुसे थे, गन प्वाइंट पर 4 लाख नगद और मोबाइल ले गए थे

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के खाजेकला में जूते-चप्पल के गोदाम में डकैती हुई थी। मामले में पुलिस ने 10 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से लूटे गए 1 लाख 25 हजार रुपए, 2 कट्टा, एक पिस्तौल और भारी मात्रा में गोलियां बरामद की गई हैं। एक सीसीटीवी भी सामने आया है, जिसमें बदमाश भागते हुए देखे जा सकते हैं। पीड़ित के अनुसार, अपराधियों ने अलमारी से 4 लाख रुपए से अधिक नगद और लगभग 6 मोबाइल लूट लिए थे। विरोध करने पर उन्होंने घर के सदस्यों को गोली मारने की धमकी भी दी थी। घटना की सूचना मिलते ही पटना सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार दल-बल के साथ खाजेकला थाना प्रभारी के साथ मौके पर पहुंचे थे और मामले की छानबीन शुरू की थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी अपराधियों को पकड़ा।

सिर पर बंदूक सटाकर वारदात को दिया अंजाम: पीड़ित शकील अहमद ने बताया कि गुरुवार दोपहर वे खाना खाकर अपने जूते-चप्पल के गोदाम के पहले तल पर बैठे थे। तभी दो अपराधी पिस्तौल लेकर उनके पास पहुंचे और पिस्तौल सिर पर रखकर अलमारी से पैसे निकालने को कहा। अपराधियों ने धमकी दी कि शोर मचाने पर गोली मार दी जाएगी। इसके बाद उन्होंने गोदाम और घर के सभी लोगों के मोबाइल छीन लिए और अलमारी में रखे लगभग चार से पांच लाख रुपए लेकर फरार हो गए। शकील अहमद ने बताया कि अपराधियों की संख्या लगभग आधा दर्जन थी। सभी अपराधी 20 से 25 वर्ष की उम्र के थे। इनके अलावा कुछ लाइनर भी शामिल थे। घटना के बाद पूरे मामले की सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

रीतलाल ने चुनाव-प्रचार के लिए मांगी रिहाई

एजेंसी, पटना

पटना हाईकोर्ट ने राजद विधायक रीतलाल यादव की याचिका पर राज्य सरकार को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। विधायक ने वर्तमान विधानसभा चुनाव के दौरान अपने क्षेत्र में प्रचार-प्रसार के लिए चार सप्ताह की रिहाई की मांग की है। दानापुर विधानसभा क्षेत्र से जेल में बंद रीतलाल यादव उर्फ रीतलाल राय ने आपराधिक रिट याचिका दायर की है। याचिका में उन्हें चुनाव प्रचार के लिए अस्थायी रूप से जेल से रिहा करने की अपील की गई है। जस्टिस अरुण कुमार झा की एकलपीठ ने शुक्रवार को इस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया।

याचिकाकर्ता के वरीय अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा ने कोर्ट में दलील दी कि यह एक विशेष परिस्थिति है, जिसके लिए याचिकाकर्ता को जेल से रिहा किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कोर्ट के दिए गए कई निर्णयों का हवाला दिया, जिसमें केजरीवाल के मामले का भी जिक्र किया। वर्मा

❑ **हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का दिया आदेश, याचिका पर सुनवाई**

ने कहा कि रिट याचिका के माध्यम से भी कुछ दिनों के लिए जमानत पर छोड़ा जा सकता है। सरकार के महाधिवक्ता पीके शाही ने याचिका को सुनवाई योग्य नहीं बताया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता को कोर्ट से जमानत लेनी चाहिए थी। शाही ने यह भी बताया कि याचिकाकर्ता ने अपनी आपराधिक रिट याचिका में अपने आपराधिक रिकॉर्ड का पूरा ब्योरा नहीं दिया है। मामले में अगली सुनवाई अब 30 अक्टूबर को की जाएगी।

रणजी मैच का तीसरा दिन, बिहार के आयुष लोहारूका ने जड़ा दोहरा शतक

एजेंसी, पटना

पटना के मोइनुल हक स्टेडियम में आयोजित रणजी मैच का आज तीसरा दिन है। इस मुकाबले में बिहार का पलड़ा भारी है। बिहार के आयुष लोहारूका ने दोहरा शतक जड़ा। आयुष ने 247 गेंदों पर 37 चौके और 1 छक्का की मदद से 226 रनों की पारी खेली। तीसरे दिन के लिए बिहार टीम 343 रनों की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में है। वहीं, आज अरुणाचल प्रदेश अपनी दूसरी पारी को जारी रखेगी।

बिहार ने पहली पारी में बनाया 542 रनः पहली पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरी बिहार टीम ने 52 ओवर में 2 विकेट पर 282 रन से आगे खेलना शुरू किया और अपनी पारी को 116.3 ओवर में 9 विकेट पर 542 रन तक पहुंचाया। कप्तान साकिबुल गनी ने 86 गेंदों पर 6 चौकों से 59 रन, बिपिन सौरभ ने 78 गेंदों पर 3 चौके और 2 छक्कों से 52 रन, सचिन कुमार सिंह ने 92 गेंदों पर 7 चौके और 1 छक्के से 75 रन बनाए। प्रताप ने 24 रन, अमोद यादव और नवाज ने 2-2 रन का योगदान दिया जबकि हिमांशु सिंह 24 रन बनाकर नाबाद रहे।

दूसरी पारी में अरुणाचल प्रदेश ने बनाए 94 रनः दूसरे दिन की समाप्ति तक अरुणाचल प्रदेश ने 25 ओवर में 3 विकेट पर 94 रन बनाए थे। बिहार की ओर से गेंदबाजी में साकिब हुसैन ने 5 ओवर में 2 मेडन देकर 15 रन पर 1 विकेट और हिमांशु सिंह ने 7 ओवर में 2 मेडन देकर 20 रन पर 1 विकेट हासिल किया था। अरुणाचल प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, लेकिन टीम 32.3 ओवर में 105 रन बनाकर ऑल आउट हो गई थी।

❑ **अरुणाचल प्रदेश पर बिहार ने बनाई 343 रनों की बढ़त**

सीएम फेस पर सम्राट चौधरी ने साधी चुप्पी, मांझी ने कहा-इलेक्शन से पहले फाइनल होना चाहिए

एजेंसी, पटना

बिहार चुनाव को लेकर NDA के सभी कैंडिडेट्स मैदान में आ चुके हैं। जदयू इस बार बड़े भाई की भूमिका में नहीं है। BJP और JDU 101-101 सीटों पर लड़ रहे हैं। एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहा है। वहीं CM फेस को लेकर बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, 'वर्तमान में NDA नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है। नीतीश कुमार पर न सिर्फ BJP, बल्कि बिहार की जनता को भी पूरा भरोसा है। NDA की जीत के बाद मुख्यमंत्री कौन होगा, यह फैसला विधायक दल करेगा।' डिप्टी CM सम्राट चौधरी ने भी मुख्यमंत्री के चेहरे पर चुप्पी साध ली है। पटना एयरपोर्ट पर शुक्रवार को पत्रकारों ने उनसे CM फेस को लेकर सवाल किया। वो इसे टाल गए।

मांझी बोले- वोटिंग से पहले चेहरा फाइनल होना चाहिएः शाह ने ये बातें एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कही हैं। वो दो दिन बिहार में हैं। आज शुक्रवार को उनकी छपरा में सभा होगी। जिले की तरैया सीट से भाजपा विधायक जनक सिंह के नामांकन में शामिल होंगे। उसके बाद जनसभा होगी। चुनाव बाद विधायक दल के नेता सीएम तय करेंगे, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस बयान पर जीतनराम मांझी ने कहा, "अमित शाह NDA के प्रमुख नेताओं में आते हैं, उन्होंने कुछ कहा है तो उसे आधिकारिक ही माना जाएगा। लेकिन व्यक्तिगत तौर पर मुझे लगता है कि चुनाव से पहले नेता यानी होने वाले मुख्यमंत्री का भी नाम तय हो जाना चाहिए था।" "कोई दुविधा नहीं होनी चाहिए। यह दुविधा महागठबंधन में है, जिस वजह से आज तक उनकी लिस्ट फाइनल नहीं हो पाई है। सौभाग्यवश NDA में अब तक सब कुछ ठीक रहा है।"

♦ **शुक्र है, एनडीए में अभी तक सब ठीक है**

नामांकन में बाहुबली की पत्नी और खेसारी रो पड़े

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले फेज के नामांकन का आज आखिरी दिन है। सभी पार्टियों के तमाम बचे हुए नेता शुक्रवार को नामांकन कर रहे हैं। दरभंगा की जाले सीट से नामांकन करने मंत्री जीवेश मिश्रा साइकिल से पहुंचे थे। इधर, लालगंज सीट पर राजद-कांग्रेस आमने-सामने है। यहां से राजद की टिकट पर बाहुबली मुन्ना शुक्ला की बेटी शिवानी ने पर्चा भरा। इस दौरान उनकी मां अनु शुक्ला भावुक दिखीं। छपरा में राजद के प्रत्याशी और भोजपुरी स्टार खेसारी लाल भारी भीड़ के बीच नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद खेसारी लाल रो पड़े।

इधर, अलीनगर से बीजेपी प्रत्याशी लोक गायिका मैथिली ठाकुर ने पाग पहनकर नॉमिनेशन किया। मैथिली ने तीन दिनों पहले ही बीजेपी की सदस्यता ली है। पटना साहिब सीट से रत्नेश कुशवाहा ने नॉमिनेशन किया। उनके साथ इस सीट से 7 बार विधायक रह चुके नंदकिशोर यादव भी साथ रहे। वहीं, जदयू से चेतन आनंद भी नवीनगर से नामांकन किया।

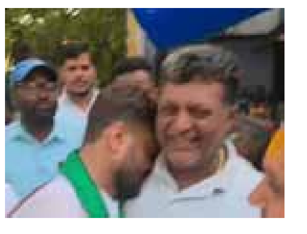

राघोपुर से बीजेपी प्रत्याशी सतीश कुमार यादव भी अपना नॉमिनेशन किया। सतीश से तेजस्वी यादव का टक्कर होगा। लालू यादव के करीबी भोला यादव ने भी नामांकन किया है। इसके अलावा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम कुटुंबा, कदवा से कांग्रेस प्रत्याशी शकील अहमद खान समेत आदि नेताओं ने नामांकन किया।

रामायण मंदिर में स्थापित होगा 210 मीट्रिक टन का शिवलिंग, तमिलनाडु के महाबलीपुरम में हो रहा तैयार

एजेंसी, पटना

पूर्वी चंपारण के चकिया में विराट रामायण मंदिर बन रहा है। जिसमें 33 फीट के शिवलिंग को जल्द ही स्थापित किया जाएगा। इस शिवलिंग का निर्माण तमिलनाडु के महाबलीपुरम में हो रहा है। वर्तमान में इस शिवलिंग पर कलाकृति और पॉलिश का अंतिम काम हो रहा है। 210 मीट्रिक टन के इस शिवलिंग को महाबलीपुरम से सड़क मार्ग से विराट रामायण मंदिर लाया जाएगा। यह देश में किसी भी मंदिर में स्थापित सबसे बड़ा शिवलिंग माना जा रहा है। अगले साल जनवरी में शिवलिंग स्थापित होने की उम्मीद की जा रही है।

540 फीट चौड़ा होगा यह मंदिरः विराट रामायण मंदिर का निर्माण महावीर मंदिर न्यास समिति की ओर से कराया जा रहा है। विराट रामायण मंदिर का प्रवेश द्वार, गणेश स्थल, सिंह द्वार, नंदी, शिवलिंग, गर्भ गृह का पाइलिंग का काम पूरा हो चुका है। आकार में यह मंदिर 1080 फीट लंबा और 540 फीट चौड़ा होगा। इसमें कुल 18 शिखर और 22 मंदिर होंगे और मुख्य शिखर की ऊंचाई 270 फीट, चार शिखर की ऊंचाई 180 फीट, एक शिखर की ऊंचाई 135 फीट, आठ शिखर की ऊंचाई 108 फीट और एक शिखर की ऊंचाई 90 फीट होगी।

विराट रामायण मंदिर विश्व का सबसे बड़ा मंदिर होगाः बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के सदस्य सायन कुणाल के मुताबिक मंदिर का निर्माण कार्य निर्धारित समय के तहत जल्द से जल्द पूरा कराया जा सके इसके लिए हर संभव कोशिश की जा रही है। विराट रामायण मंदिर का निर्माण हो जाने पर यह विश्व का सबसे बड़ा मंदिर होगा। जब भी दुनिया में सबसे बड़े मंदिर की चर्चा होगी तो उसमें विश्व के पटल पर बिहार का नाम पहले स्थान पर होगा। बिहार बड़े धार्मिक पर्यटन स्थलों में भी शुमार हो जाएगा।

दो साल पहले हुआ था शिलान्यासः 20 जून 2023 को शिलान्यास के बाद विराट रामायण मंदिर का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। विराट रामायण मंदिर का निर्माण बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया और चकिया के बीच जानकीनगर में हो रहा है। पटना से इस मंदिर की दूरी लगभग में 120 किलोमीटर है। विराट रामायण मंदिर में चार आश्रम होंगे। यह मंदिर आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है।

कलाकृति और पॉलिश का काम बचा

'फिर से जंगलराज रोकिए, उद्योगों वाला बिहार बनाएंगे'

एजेंसी, पटना

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तीन दिवसीय बिहार दौरे पर हैं। शुक्रवार को छपरा में सभा को संबोधित करने के बाद अमित शाह पटना के ज्ञान भवन पहुंचे। यहां वे प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने लालू-राबड़ी के शासनकाल को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'बिहार 1.0 में नीतीश बाबू सुशासन लेकर आए। बिहार 2.0 जब नीतीश-मोदी जी की सरकार आई तब और विकास के काम हुए। बिहार में आज बिजली कटौती कोई ढूंढ नहीं सकता है। गंगा के ऊपर पुलों का निर्माण हुआ। बिहार 2.0 में बड़े-बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर बने। बरौनी रिफाइनरी बना। दरभंगा में AIIMS बना। 4 नए एयरपोर्ट बने। हजारों किलोमीटर रोड बने। पटना की कनेक्टिविटी को तेज किया। इससे बिहार के विकास को नई गति मिली। अब समय है बिहार 3.0 का। अगर आप फिर से जंगलराज को रोक देते हैं, हम उद्योग युक्त बिहार बनाएंगे। बिहार में रोजगार बड़ी समस्या है।'

'लालू राज में बिहार बीमारू और पिछड़ा राज्य बना': शाह ने कहा, 'आजादी की लड़ाई में बिहार का अहम योगदान है। बिहार बीमारू और पिछड़ा राज्य कैसे बन गया था। हमें ये आज सोचने की जरूरत है। मां गंगा की कृपा है। 50 फीट नीचे पानी है। मेहनतकश इंसान भी हैं, बुद्धिमता में हम किसी से कम नहीं है। क्या हो गया कि बिहार को लोग पिछड़ा कहने लगे।' शाह ने पूछा, 'ये कौन सा कालखंड था, जिसमें बिहार की प्रतिष्ठा का पतन हुआ। ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं है।'

'लालू-राबड़ी नए चेहरे के साथ जंगलराज लाना चाहते हैं': गृहमंत्री ने आगे कहा, 'लालू-राबड़ी फिर से नए कपड़ों में जंगलराज लाना चाहते हैं। हमारे रहते ये कभी नहीं हो पाएगा। अर्थव्यवस्था को हमने सुधार। भारत का महंगाई दर सबसे कम है। दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था एक ही है भारत। पूरी दुनिया भारत का सम्मान कर रही है।' उन्होंने कहा, 'जम्मू-कश्मीर में 370 हटाई। आतंकी हमलों का कोई जवाब देने वाला नहीं था। हमारी सरकार ने उन्हें घर में घुसकर मारा। उनके अड्डों को तहस-नहस कर दिया। तीन तलाक खत्म कर मुस्लिम बहनों को अधिकार दिया। अयोध्या जी में 350 साल बाद राम मंदिर बनाया।'

छपरा- शाह ने RJD के टिकट बंटवारे पर उठाए सवालः इससे पहले अमित शाह शुक्रवार को छपरा में बीजेपी कैंडिडेट्स के नॉमिनेशन में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने सभा को संबोधित किया। शाह ने इस दौरान लालू परिवार पर जमकर निशाना साधा। लोगों को जंगलराज की यादव दिलाई। कहा कि, हम 20 साल के सबसे बड़े बहुमत के साथ बिहार में सरकार बनाने जा रहे हैं। लोगों से NDA को वोट करने के लिए मुट्ठी भी बंधवाई। शाह ने लोगों से कहा कि, आप बिना डरे, बिना किसी के दबाव में आए NDA को खुलकर वोट कीजिए। बिहार में विकास सिर्फ हमारी सरकार ही कर सकती है दूसरा कोई नहीं। सभा के शुरू होने और खत्म होने पर शाह ने बीजेपी कैंडिडेट्स तरैया से जनक सिंह और अमनौर से कृष्ण कुमार मंटू को खड़े होकर लोगों का अभिवादन करने को कहा।

♦ **पटना में शाह बोले- 2.0 में लालू को हटाने से बड़ा जनादेश 3.0 में लालू को रोकने का होना चाहिए**

बिहार को जंगलराज में नहीं धकेलना हैः नीतीश कुमार ने बिहार को जंगलराज से मुक्ति दिलाई है। लालू, राबड़ी का राज आपने देखा ही था क्या हालत थी। लोगों में डर का माहौल था। इन लोगों को अब कभी मौका नहीं देना है। बिहार को फिर से उस काल में नहीं धकेलना है।

लालू-कांग्रेस राज में आतंकी खून की होली खेलते थेः हमारी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से 370 हटाई। ये लोग इसका विरोध करते रहे। लालू और कांग्रेस के राज में आतंकी देश में खून की होली खेलते थे। अभी आतंकियों ने फिर सिर उठाने की कोशिश की। हमने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर घर में घुसकर आतंकियों को सबक सीखाया।

बिहार में मां सीता का मंदिर बनवा रहे हैंः हमारी सरकार ने अयोध्या में राम मंदिर बनवाया। बाकी लोग इसका विरोध करते रहे। बिहार के पुनौराधाम में भी अयोध्या की तर्ज पर सीता जी का भव्य मंदिर बनने जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मतदान कर्मियों का द्वितीय नियुक्ति पत्र किया जाएगा निर्गत

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार विधानसभा में निर्वाचन 2025 के सफल संचालन हेतु मतदान कर्मियों का द्वितीय नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाना है। नियुक्ति पत्र के तामिला हेतु सभी कार्यालय/विद्यालय में पदाधिकारियों/कर्मियों/शिक्षकों/ प्रधानाध्यापकों की उपस्थिति अनिवार्य है। इसको लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा निर्देश दिया गया है कि पूर्वी चंपारण जिला में कार्यरत सभी पदाधिकारी/कर्मी/शिक्षक/ प्रधानाध्यापक निर्वाचन कार्य की समाप्ति तक अपने कार्यालय/विद्यालय/मुख्यालय में उपस्थित रहेंगे। विशेष परिस्थिति में जिलाधिकारी से अनुमति प्राप्त करने के पश्चात ही मुख्यालय छोड़ेंगे।

ट्रेन से चार लावारिस बोरी में नेपाली शराब बरामद

बीएनएम @ रक्सौल। दीपावली, छठ पर्व और बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान रक्सौल रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने एक ट्रेन से चार बोरी नेपाली शराब बरामद की है। आरपीएफ इंस्पेक्टर अजय कुमार चौधरी ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देशानुसार प्रतिबंधित वस्तुओं एवं शराब तस्करी की रोकथाम के लिए स्टेशन परिसर और ट्रेनों की सघन जांच की जा रही थी। इसी क्रम में शुक्रवार को करीब 10:28 बजे गाड़ी संख्या 75215 के रक्सौल स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या-01 पर पहुंचने के बाद जांच की गई। जांच के दौरान सामान्य कोच संख्या ECR-158047 की सीट के नीचे चार प्लास्टिक बोरी लावारिस हालत में पाई गईं। जब आसपास मौजूद यात्रियों से पूछताछ की गई तो किसी ने भी इन बोरियों पर दावा नहीं किया। संदेह के आधार पर जब बोरियां खोली गईं तो सभी में नेपाल निर्मित कस्तूरी नींबू फ्रेश देशी शराब बरामद हुई। चारों बोरी से कुल 466 बोतलें मिलीं, जिनकी प्रत्येक की मात्रा 300 एमएल तथा प्रति बोतल कीमत 50 नेपाली रुपये पाई गई। बरामद शराब का कुल मूल्य 466×50 = 23,300 नेपाली रुपये आंका गया। जप्त शराब को लिखित प्रतिवेदन सहित राजकीय रेल थाना (GRP) रक्सौल को सौंपा गया। इस संबंध में कांड संख्या 36/2025 दर्ज कर धारा 30(A) के तहत मामला पीएसआई अनमोल कुमार को जांच के लिए सौंपा गया है। मौके पर एएसआई विनोद कुमार, प्रधान आरक्षी विजय कुमार मिश्रा, आरक्षी राजीव कुमार, आरक्षी संतोष कुमार (सभी आरपीएफ पोस्ट रक्सौल), इसके अलावा उनि सुवास कुमार सिंह एवं प्रधान आरक्षी गिरिजेश कुमार आदि मौजूद थे।

सशस्त्र सीमा बल व पुलिस की संयुक्त कार्यवाही द्वारा पकड़ा गया प्रतिबंधित मदिरा

बीएनएम @ मोतिहारी : 71वीं वाहिनी स.सी.ब. मोतिहारी के कार्यक्षेत्र सीमा चौकी झाझरा के द्वारा आसूचना के आधार पर जितना थाना के साथ नाका के दौरान लगभग 20:30 बजे नाका पार्टी ने भारत के अंदर सीमा से लगभग 500 मीटर की दूरी पर हरका सती माता मंदिर के पास 720 बोतल नेपाली शराब (कस्तूरी) के साथ तस्कर को पकड़ा गया। नाका के दौरान नाका पार्टी ने नेपाल की ओर से 3-4 लोगों को मोटर साइकिल से आते देखा। संयुक्त टीम ने उन्हें जैसे ही रोकने की कोशिश की रात्रि का मौका पाकर उनमें से 03 भाग गए लेकिन नाका पार्टी ने उनमें से एक को पकड़ लिया। आसपास के इलाके की तलाशी लेने पर टीम को बोरियों से 720 बोतल नेपाली शराब (कस्तूरी) प्राप्त हुआ। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान अखिलेश मुखिया (उम्र- 25 वर्ष), पुत्र- मंगल मुखिया ग्राम-तिनकोनी, छौड़ादानो का रहने वाला हैं। जब्त सामान और पकड़े गए व्यक्तियों को प्रावधानों के अनुसार कानूनी कार्रवाई करने के लिए जितना पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

वामपंथियो का लेनिन ग्राड : केसरिया मे जदयू प्रत्याशी शालिनी मिश्रा को कई मोर्चे से घेरने की तैयारी

सागर सूरज

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले की केसरिया विधानसभा सीट हमेशा से राजनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। यह सीट कभी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), कभी राष्ट्रीय जनता दल (राजद), तो कभी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के पास रही है। इन पार्टियों से पहले बामपंथी नेता पीताम्बर सिंह का अधिपत्य इस इलाके मे रहा, यही कारण है कि कभी यह सीट सीपीआई के गढ़ होने के कारण लेनिन ग्राड के नाम से पुरे सूबे मे प्रसिद्ध रहा। लेनिन ग्राड के टैग से इस इलाके को तब मुक्ति मिली जब राय हरिशंकर शर्मा पहली बार यहाँ से जनता दल के टिकट पर चुनाव जीते। पिछले चार विधानसभा चुनावों के आंकड़ों और परिणामों से यह साफ झलकता है कि यहां के मतदाता किसी एक पार्टी विशेष के प्रति प्रतिबद्ध नहीं रहे है, बल्कि हर बार जनभावना और प्रत्याशी की साख के आधार पर फैसला करते रहे हैं। 2025 विधानसभा चुनाव मे वर्तमान मे केसरिया सीट जनता दल यूनाइटेड (JDU) के कब्जे में बनी हुई है। वर्तमान विधायक शालिनी मिश्रा अपने क्षेत्र में काफ़ी सक्रिय रही हैं और उनकी छवि और क्षेत्र के विकास मे उनकी भूमिका देखते हुये पार्टी संगठन ने उन्हें दोबारा मौका दिया है। 2025 के चुनावी मुकाबले रोचक होने वाले है। यह मुकाबला राजग गठबंधन (जेडीयू–भाजपा) और इंडिया गठबंधन राजद, कांग्रेस और वीआईपी जैसी पार्टियों के बीच होने की संभावना प्रबल है। लेकिन इन दोनों पारम्परिक गठबंधनों से इतर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी चुनाव को तीसरा एंगल देने की पुरजोर कोशिश करती दिख रही है। जाती पाती से इतर रोजगार और बिहार मे उद्योगिकरण जैसे मुद्दे जन सुराज के प्रति आकर्षण का कारण है। यहाँ से राजग गठबंधन से जदयू ने अपने सिटिंग विधायक शालिनी मिश्रा पर अपना विश्वास जताया है, वही इंडी गठबंधन ने यह सीट अपने सहयोगी पार्टी मुकेश सहनी के वीआईपी के खाते मे देते हुये वरुण विजय को अपना प्रत्याशी बनाया है, वही जनसुराज ने पप्पू खान को मैदान मे उतारा है. केसरिया प्रमुख के रूप मे अपनी सेवा देते हुये पप्पू खान ने इस इलाके मे अपना जबरदस्त पहचान बनाया है वही वरुण विजय को अपने पिता धुरंधर राजनीतिज्ञ महेश्वर सिंह के प्रभाव और उनकी राजनीतिक पृष्टिभूमि का लाभ उठाना है। शालिनी मिश्रा को अपने बेहतर कार्य, नीतीश कुमार और केंद्र सरकार की विकाश की योजनाओं पर पूरा भरोसा है। जबकि राजद–कांग्रेस गठबंधन अपने पारंपरिक वोट बैंक को मजबूत करने में जुटा है। इलाके के प्रभावशाली नेता राम शरण यादव ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की थी, वे अपने दम पर 10 से 15 हजार मत लाने की छमता रखते रहे है. सूचना के मुताबिक उन्हें महागठबंधन मे मना लिया है। लेकिन पप्पू खान महागठबंधन के मतों मे भयानक सेंध मारते दिख रहे है। दूसरी ओर राजग के परम्परागत मतों मे भी आंशिक हेर फेर की संभावना है। अब थोड़ा पूर्व के चुनावी आँकड़ों पर भी नजर डालते है। 2020 विधानसभा चुनाव की विजेता शालिनी मिश्रा (जदयू) ने — 40,219 वोट लायी थी, उनकी वोट शेयर 26.59% थी, इस चुनाव मे उपविजेता थे संतोष कुशवाहा (RJD) — 30,992 वोट शेयर, 20.49% तीसरा स्थान था राम शरण प्रसाद यादव (एलजेपी) का, जो 18,904 वोट लाये. जीत का अंतर था 9,227 वोट का. इस चुनाव मे जेडीयू और राजद के बीच सीधी टक्कर में रही। जेडीयू ने मामूली अंतर से जीत हासिल की, जबकि लोजपा ने भी उल्लेखनीय वोट हासिल किए। यह सीट राजग के खाते में आ गई । 2015 विधानसभा चुनाव के विजेता थे डॉ. राजेश कुमार (राजद) — 62,902 वोट, जबकि उनका वोट शेयर था 47.55% उपविजेता रहे राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता (बीजेपी) — 46,955 वोट, वोट शेयर 35.49% और तीसरे स्थान पर रहे राम शरण प्रसाद यादव (सीपीआई) — 11,767 वोट इस चुनाव मे जीत का अंतर था 15,947 वोट। 2015 का चुनाव राजद के लिए निर्णायक साबित हुआ। विधानसभा क्षेत्र में पार्टी ने मजबूत पकड़ बनाई, और डॉ. राजेश कुमार ने भाजपा को पराजित किया। यही वह चुनाव था जिसने विपक्ष में एनडीए को पीछे धकेल दिया। 2010 विधानसभा चुनाव के विजेता थे सचिन्द्र प्रसाद सिंह (बीजेपी) — 34,649 वोट, वोट शेयर था 36.67% उपविजेता रहे राम सरण प्रसाद यादव (सीपीआई) — 22,966 वोट, जीत का अंतर था 11,683 2010 में भाजपा ने इस क्षेत्र में वापसी की और वाम दलों को पीछे छोड़ते हुए सीट अपने नाम की। यह वही दौर था, जब राजग सरकार राज्य में नीतीश कुमार के नेतृत्व में लोकप्रियता के चरम पर थी। इस विधानसभा क्षेत्र में लगभग 2.7 लाख पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 13.9% मुस्लिम, 11.4% अनुसूचित जाति, और 0.35% अनुसूचित जनजाति वर्ग शामिल है। शहरी मतदाता 5% से कम हैं। यहां के वोटरों का औसत मतदान प्रतिशत पिछले कई चुनावों से 55% से 57% के बीच स्थिर रहा है, जिससे संकेत मिलता है कि ग्रामीण इलाकों में राजनीतिक जागरूकता बनी हुई है। राजनीतिक विश्लेषण पिछले 15 वर्षों में केसरिया में तीन अलग-अलग पार्टियां (BJP, RJD, JDU) जीत चुकी हैं, जिससे यह साबित होता है कि यह सीट "स्विंग सीट" है। 2015 में आरजेडी का वोट शेयर 47.5% तक पहुंचा था, जबकि 2020 में जेडीयू का वोट शेयर घटकर 26.6% रह गया।बहुकोणीय मुकाबलों के कारण वोट बंटवारा आम बात है, जिससे छोटे दलों को 8-10% तक वोट मिलते हैं। नोटा का प्रभाव नगण्य रहा है। इस क्षेत्र के मतदाता जातीय समीकरण से अधिक स्थानीय कार्य और प्रत्याशी की छवि पर ध्यान देते हैं । केसरिया विधानसभा की राजनीति का रुझान यह दर्शाता है कि यहां का जनादेश कभी स्थायी नहीं रहा। दल और प्रत्याशी दोनों की छवि में मामूली बदलाव भी चुनावी समीकरण बदलने में पर्याप्त होता है।

हरसिद्धि में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आपराधिक योजना बनाते चार गिरफ्तार

दो देसी कट्टा, चार जिंदा कारतूस और तीन मोबाइल बरामद

बीएनएम @ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र में अपराधियों के मंसूबों पर पुलिस ने एक बार फिर पानी फेर दिया। बीती रात्रि 16 अक्टूबर 2025 को मटियारिया पंचायत भवन के पास पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से दो देसी कट्टा, चार जिंदा कारतूस और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। अपर थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। गश्ती और विशेष जांच अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधि दिखने पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके से चारों को धर दबोचा। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान इस प्रकार हुई है, शेखर मियां उर्फ जुबेर, पिता सलामुद्दीन मियां, निवासी डुमरिया, थाना डुमरिया घाट, जिला पूर्वी चंपारण। लालबाबू कुमार, पिता नागेश्वर साह, निवासी रामपुरवा रामपुर वार्ड संख्या 01, भोला यादव पिता शंभु यादव, सकिन, खजुरिया, थाना डुमरिया घाट, जिला पूर्वी चंपारण। अरविंद कुमार, पिता शंभू यादव, निवासी रामपुरवा रामपुर वार्ड नंबर 1, खजुरिया, थाना डुमरिया घाट, जिला पूर्वी चंपारण, भोला यादव, पिता शंभू यादव, निवासी रामपुरवा रामपुर वार्ड नंबर 1, खजुरिया, थाना डुमरिया घाट, जिला पूर्वी चंपारण। छापेमारी दल में एसआई शंभू मालाकार, राजेश सिंह, सीमा कुमारी, एसआई संतोष कुमार समेत कई पुलिस बल शामिल रहे। अपर थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि गिरफ्तार चारों अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है और उनके आपराधिक नेटवर्क की जानकारी खंगाली जा रही है। पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी है।

ओलहा गेट-ग्रिल चोरी का खुलासा, चार गिरफ्तार, वाहन बरामद

बीएनएम @ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र में ओलहा मेहता टोला में हुई गेट-ग्रिल चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। महज कुछ दिनों की जांच के बाद पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए चोरी में प्रयुक्त पिकअप वाहन और मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। घटना 15 अक्टूबर 2025 की रात करीब नौ बजे की है, जब ओलहा मेहता टोला स्थित एक मकान के दुकान से गेट-ग्रिल चोरी कर लिया गया था। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने त्वरित जांच शुरू की और गुप्त सूचना के आधार पर एक विशेष टीम गठित की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपर थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि जांच के क्रम में चोरी में शामिल चारों आरोपियों की पहचान की गई और उन्हें अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों में सलामुद्दीन मोहम्मद उर्फ गुलेटन (पिता सुखन मियां, निवासी रामपुर खजूरिया, थाना डुमरिया घाट, पूर्वी चंपारण) जो वाहन चालक है, सुरेंद्र महतो (पिता जैनन महतो), रामछबिला महतो (पिता स्वर्गीय लालदेव महतो) और हरेंद्र राय (पिता स्वर्गीय जमुना राय), तीनों निवासी पकड़ी वार्ड संख्या 12, थाना डुमरिया घाट, जिला पूर्वी चंपारण शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि अन्य तीन अभियुक्तों के नामों का खुलासा आगे की जांच के बाद किया जाएगा। अपर थानाध्यक्ष ने बताया कि चोरी में प्रयुक्त पिकअप वाहन और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है तथा इससे जुड़े अन्य सामानों की बरामदगी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा, अपर थानाध्यक्ष सीमा कुमारी, एसआई अविनाश कुमार, एसआई संतोष कुमार, एसआई अनिल सिंह सहित पुलिस बल के अन्य जवान शामिल थे।

पति-पत्नी गांजा बेचते रंगे हाथ गिरफ्तार, 466 ग्राम मादक पदार्थ जब्त

बीएनएम @ अरेराज

मलाही क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री पर नकेल कसते हुए मलाही पुलिस ने सशस्त्र सीमा बल (SSB) के साथ मिलकर एक बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर भरवलिया गांव में छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक दंपति को घर से गांजा बेचते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। तलाशी में 466 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया।

गुप्त सूचना के बाद छापेमारी की योजना–मलाही थानाध्यक्ष कारण सिंह ने बताया कि उन्हें लगातार सूचना मिल रही थी कि भरवलिया निवासी बबिता देवी और उनके पति शत्रुधान सिंह अपने घर से लंबे समय से गांजा बेच रहे हैं। ये दंपति चोरी-छिपे स्थानीय नशेड़ियों और छोटे सप्लायरों को गांजा उपलब्ध कराते थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष ने एक विशेष टीम गठित की और एसएसबी जवानों के साथ मिलकर संयुक्त छापेमारी की योजना बनाई।

466 ग्राम गांजा बरामद, दोनों हिरासत में–योजना के तहत पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने आरोपी दंपति के घर को घेरकर अचानक दबिश दी। उस समय दोनों घर में मौजूद थे, जिन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया गया। तलाशी के दौरान घर के भीतर छिपाकर रखा गया 466 ग्राम गांजा पुलिस ने जब्त कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि बरामद गांजे की मात्रा वाणिज्यिक श्रेणी से कम है, लेकिन यह स्पष्ट है कि इसे अवैध बिक्री के उद्देश्य से रखा गया था।

NDPS एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज–गिरफ्तार बबिता देवी और शत्रुधान सिंह के खिलाफ NDPS एक्ट, 1985 की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि वे गांजा कहाँ से लाते थे और उनके नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं। थानाध्यक्ष कारण सिंह ने कहा कि अवैध नशा कारोबार में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है।

पुलिस दिवस धूमधाम से सम्पन्न, नागरिक-पुलिस सहयोग को सुदृढ़ करने का संकल्प

बीएनएम @ रक्सौल

"नागरिक-पुलिस सहयोग : सुरक्षा के लिए अपरिहार्य" मूल नारा के साथ पर्सा जिले में 70वां पुलिस दिवस–2082 उत्साहपूर्वक मनाया गया। नेपाल पुलिस प्रदेश कार्यालय और जिला पुलिस कार्यालय पर्सा के संयुक्त तत्वावधान में यह समारोह वीरगंज स्थित नेपाल पुलिस प्रदेश कार्यालय परिसर के अमर प्रहरी स्मारक में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमुख जिला अधिकारी तोय नारायण सुवेदी ने कहा कि नागरिकों और पुलिस के बीच सहयोग एवं विश्वास ही समाज में स्थायी शांति और सुरक्षा की बुनियाद है। उन्होंने पुलिस सेवा के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर पूर्व पुलिसकर्मी, अमर शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन, वरिष्ठ अधिकारी, मातहत कार्यालयों के कर्मचारी और पत्रकारों ने अमर प्रहरी स्मारक पर रेथ (पुष्पहार) अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शहीद पुलिस परिवारजनों को दोसल्ला ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पुलिस कार्यालय पर्सा के प्रमुख प्रहरी उपरीक्षक सुदीप राज पाठक, नेपाल पुलिस प्रदेश कार्यालय के वरिष्ठ उपरीक्षक शांति राज कोईराला, डीएसपी किशोर लम्साल, जिला ट्रैफिक कार्यालय पर्सा के प्रमुख लोकराज भट्ट, वडा प्रहरी कार्यालय बिर्ता के प्रमुख निरोज चौलागाईं समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर सामुदायिक प्रहरी सेवा केन्द्र आदर्शनगर के अध्यक्ष जय प्रकाश खेतान, श्रवण बहादुर रायमाझी तथा विभिन्न संघ–संस्थाओं को सम्मानपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुलिस सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशंसा पत्र और प्रमाणपत्र भी दिए गए। समारोह के समापन पर जिला पुलिस प्रमुख सुदीप राज पाठक ने कहा कि 70वां पुलिस दिवस पुलिस संगठन को और अधिक पारदर्शी, जिम्मेदार एवं जनमुखी बनाने का अवसर है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से सहयोग और सहभागिता की अपील की।

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन को लेकर विभिन्न क्षेत्रों से अभ्यर्थियों ने किया नामांकन दाखिल

बीएनएम @ मोतिहारी

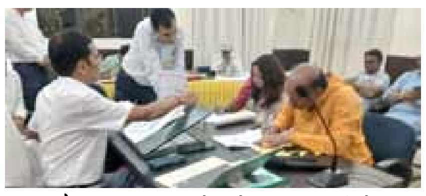

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर शुक्रवार दिनांकः- 17.10.2025 को पूर्वी चंपारण जिला के 10-रक्सौल विधानसभा क्षेत्र में 03अभ्यर्थी, 14-गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र में 04 अभ्यर्थी, 15 केसरिया विधानसभा क्षेत्र में 02 अभ्यर्थी,16-कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र में 03 अभ्यर्थी, 17-पिपरा विधानसभा क्षेत्र में 02 प्रत्याशी, 18-मधुबन विधानसभा क्षेत्र में 01 अभ्यर्थी, 19-मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र में 02 अभ्यर्थी, 20-चिरैया विधानसभा क्षेत्र में 01 अभ्यर्थी के द्वारा नामांकन दाखिल किया है। वहीं सुगौली विधानसभा क्षेत्र, नरकटिया विधानसभा क्षेत्र, हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र एवं ढाका विधानसभा क्षेत्र के लिए कोई नामांकन शुक्रवार को दाखिल नहीं किया गया।

प्रथम स्तरीय मतदान दल के कर्मियों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन -2025 के प्रथम स्तरीय मतदान दल के कर्मियों के प्रशिक्षण में अनुपस्थित पाए गए मतदान दल के कर्मी जो पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किए थे, उनके लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के आदेशानुसार उक्त कर्मियों के लिए प्रथम स्तरीय अंतिम प्रशिक्षण का आयोजन शहर के सीएस डीएभी पब्लिक स्कूल, मोतिहारी के प्रांगण में आयोजित किया गया। इसमें सभी स्तर के मतदान डालकर्मी जैसे- पीठासीन पदाधिकारी, मतदान पदाधिकारी प्रथम, मतदान पदाधिकारी द्वितीय, मतदान पदाधिकारी तृतीय, काउंटिंग असिस्टेंट, काउंटिंग सुपरवाइजर इत्यादि के साथ-साथ माइक्रो आब्जर्वर का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। जिसमें मतदान दल के कर्मियों के लिए मौक पोल ड्रिल के साथ-साथ चुनाव में होने और आने वाली कठिनाइयों का निवारण भी जिला मास्टर ट्रेनरों के द्वारा किया गया। उन्हें आस्वस्त किया गया कि आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन - 2025 निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराया जाएगा जिसमें उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके लिए जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण मोतिहारी दृढ़ संकल्पित है। इस प्रशिक्षण का निरीक्षण एवं गुणवत्ता की जांच जिला प्रशिक्षण कोषांग के वरीय नोडल पदाधिकारी शैलेंद्र भारती, जिला पंचायती पदाधिकारी रामजन्म पासवान, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरि के द्वारा किया गया। उक्त मौके पर वरीय मास्टर ट्रेनर नागेंद्र प्रसाद, रमेश कुमार, कमलेश कुमार सिंह, शैलेंद्र कुमार मिश्रा, अभिजीत कुमार, रामेश्वर राम, अरुण कुमार सिंह, मनोज कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चेक पोस्टों पर करें सघन वाहन जांच, संदिग्ध गतिविधियों पर रखें पैनी नजर - एसपी

बीएनएम @ बगहाः आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को देखते हुए जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में बने चेकपोस्टों और सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।एसपी सरोज ने वाल्मिकीनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत चेकपोस्ट, थाना गश्ती दल, थाना संतरी व्यवस्था की समीक्षा की। इसके साथ ही पटखौली थाना क्षेत्र के मंगलपुर स्थित बीबीएन कॉलेज के पास बनाए गए चेकपोस्ट और नौरंगिया थाना क्षेत्र के मदनपुर स्थित चेकपोस्ट का भी उन्होंने निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान एसपी ने ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को चुनाव के दौरान सुरक्षा और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चेकपोस्ट पर वाहनों की सघन जांच की जाए और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए।उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी थाना प्रभारियों को सतर्क रहकर अपने क्षेत्र में नियमित गश्त और निगरानी बढ़ाने का आदेश दिया गया है।

दम्पति के साथ मारपीट

बीएनएम @ जमुई/झाझा। झाझा थानाक्षेत्र के कानन गांव में गुरुवार की देर शाम को खेत जोतने के विवाद पर दम्पति के साथ मारपीट कर घायल कर देने का मामला सामने आया। घायल की पहचान जहरी देवी और उसका पति सुरेश यादव के रूप में हुई। घायल दम्पति को स्वजनों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा में भर्ती करवाया गया जहां डॉक्टर ने घायल दम्पति का इलाज किया। घायल जहरी देवी ने बताई की मेरा पति तीन भाई है जिसमे मेरा देवर रघुनाथ यादव कुछ दिन पहले अन्य राज्य से काम करने के बाद घर आया और मेरा भैंसुर श्यामदेव यही रहता है। बिना जमीन का बंटवारा हुए श्यामदेव मेरी जमीन पर खेत जोतने की कोशिश किया जिसका विरोध मैं और मेरा पति ने किया तो उसने हमदोनो के साथ लाठी डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया।

मारपीट में महिला घायल

बीएनएम @ जमुई/झाझा। शुक्रवार को थानाक्षेत्र के चांय गांव में देवर ने अपनी भाभी के ऊपर कुदाल से वार कर सिर फोड़कर घायल कर दिया। घटना में बेबी देवी गम्भीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को स्वजनों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया जहां डॉक्टर ने घायल महिला का इलाज किया। घायल महिला को लेकर अस्पताल पहुंची उसकी बहन प्रमिला देवी ने बताई की मेरी बहन के घर के पास ही उसका देवर मुकेश साव नाला खोद रहा था जिसका विरोध मेरी बहन ने की तो देवर और गौतनी नंदनी देवी विवाद करना शुरू कर दिया और फिर विवाद बढ़ते हुए मारपीट में तब्दील हो गया फिर मुकेश ने कुदाल से सिर पर वार कर घायल कर दिया। घटना की जानकारी झाझा थाना की पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव हमारे लोकतंत्र की असली पहचान : डीएम

बीएनएम @ जमुई। आगामी 11 नवंबर 2025 को होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जिला पदाधिकारी-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री नवीन कुमार ने शुक्रवार को अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिले के सभी कोषांगों के वरीय, नोडल, निर्वाची और सहायक निर्वाची पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।बैठक में डीएम ने दो टूक कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इस बार प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले में मतदान प्रतिशत 70 से ऊपर जाए। इसके लिए हर स्तर पर टीमवर्क, समन्वय और जनसहयोग जरूरी है।डीएम ने निर्देश दिया कि जिन बूथों पर पिछले चुनाव में 50 प्रतिशत से कम वोटिंग हुई थी, उन्हें विशेष निगरानी में रखा जाए। ऐसे इलाकों में स्वीप कार्यक्रम के तहत विशेष मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि महादलित टोला और ग्रामीण क्षेत्रों में रंगोली, मेहंदी प्रतियोगिता, प्रभात फेरी, साइकिल रैली और हस्ताक्षर अभियान जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है।बैठक के दौरान डीएम ने जिला परिवहन पदाधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में बनाए गए सभी चेकपोस्ट हर समय सक्रिय और प्रभावी रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध परिवहन पर तुरंत कार्रवाई हो।साथ ही उन्होंने सभी नोडल पदाधिकारियों को अपने-अपने कोषांगों में निरंतर मॉनिटरिंग करने और अनुपस्थित कर्मियों पर सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया।डीएम ने कहा कि रिसीविंग, डिस्पैच और नामांकन जैसे महत्वपूर्ण कोषांगों में समय पर कर्मियों की सुनिश्चित तैनाती हो, ताकि कार्य में किसी प्रकार की रुकावट न आए। उन्होंने ईवीएम हैंडलिंग को अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया बताते हुए इसके प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन करने का निर्देश दिया।

जीविका दीदियाँ बनीं 'लोकतंत्र की प्रहरी', मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर युद्ध स्तर पर जुटीं

बीएनएम @ जमुई में मतदाताओं की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 'जीविका दीदियाँ' ने एक बड़ा मतदाता जागरूकता अभियान शुरू किया है। चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही, पूरा जिला 'वोट डालने जाना है, अपना फर्ज निभाना है' के नारों से गूंज रहा है।जीविका से जुड़े 1307 ग्राम संगठन जिले की सभी 153 पंचायतों में यह अभियान चला रहे हैं। उनका विशेष ध्यान उन क्षेत्रों पर है जहाँ पिछले चुनावों में मतदान प्रतिशत कम था। दीदियाँ ऐसे क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों से वोट न डालने का कारण पूछ रही हैं और व्यक्तिगत रूप से उन्हें वोट देने के लिए प्रेरित कर रही हैं।वे 'सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो' जैसे नारों का प्रयोग कर रही हैं। उनकी दैनिक गतिविधियों में शामिल हैःगाँव-गाँव जाकर लोगों को मतदान के लिए उत्साहित करना।सार्वजनिक स्थानों पर आकर्षक रंगोलियाँ बनाना।हाथों पर मेहंदी से मतदाता जागरूकता स्लोगन लिखना, जो 'चलित विज्ञापन' का काम करता है।जीविका दीदियाँ अब लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने वाली 'लोकतंत्र की प्रहरी' की भूमिका निभा रही हैं, जिससे जमुई जिले के मतदान प्रतिशत में बड़ी वृद्धि की उम्मीद है।

एटीएम धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहाः बगहा पुलिस जिला के पटखौली थाना क्षेत्र में एसबीआई एटीएम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। 15 अक्टूबर को गश्ती पर निकली पुलिस ने पटखौली बाजार में तीन संदिग्धों को देखा। पुलिस को देखकर वे भागने लगे, जिनमें से दो- सतीश कुमार और कन्हैया जी (दोनों जमुई के गोकुला निवासी) को पुलिस ने पकड़ लिया। इनका तीसरा साथी संजय कुमार (नवादा) भागने में सफल रहा।पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने कबूला कि वे एटीएम मशीन में फेविक्विक लगाकर और कस्टमर केयर नंबर की जगह अपना नंबर चिपकाकर धोखाधड़ी करते थे। ग्राहक के फोन करने पर वे कार्ड और पिन की जानकारी लेकर पैसे चुरा लेते थे।पटखौली थाना ने इस संबंध में कांड संख्या 253/25 दर्ज कर दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि फरार संजय कुमार की तलाश जारी है। थानाध्यक्ष हृदयानंद सिंह ने जनता से अपील की है कि एटीएम का इस्तेमाल करते समय सतर्क रहें और अपने कार्ड-पिन की जानकारी किसी से साझा न करें। पुलिस इस तरह की धोखाधड़ी को रोकने के लिए तत्पर है।

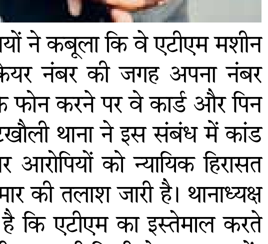

बाइक सवार अपराधियों ने युवक की गोली मारकर की हत्या, चार गिरफ्तार

» पंचायत चुनावी रंजिश में रची गई साजिश, एसआईटी टीम गठित

बीएनएम @ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के मुरारपुर पंचायत अंतर्गत सरिसवा गांव में गुरुवार की देर रात करीब 10:45 बजे बाइक सवार अपराधियों ने 45 वर्षीय मनसफ़ अंसारी की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक सरिसवा निवासी स्वर्गीय भिखारी मियां का पुत्र था। मनसफ़ अपने साथी ममनून अहमद के साथ औरैया से बारात भोज कर घर लौट रहा था। घर से करीब 200 मीटर की दूरी पर दो बाइक सवार अपराधियों ने पीछा करते हुए उसके सिर में गोली मार दी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई, जबकि ममनून अहमद बाइक सहित गिर पड़े। अपराधी उनकी बाइक लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही डीएसपी रवि कुमार और थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। शुक्रवार की सुबह पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात भी सरिसवा पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मृतक के परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ की। मृतक के पुत्र तौसीफ आलम ने बताया कि हत्या का मुख्य आरोपी वर्तमान में जेल में बंद कुख्यात कमरुद्दीन मियां है। पंचायत चुनाव के दौरान उसकी पत्नी फरजाना खातून मुरारपुर से प्रत्याशी थीं, लेकिन मनसफ़ के परिवार ने उनका साथ नहीं दिया था। इसी रंजिश में कमरुद्दीन ने कई बार धमकी भी दी थी और अब उसने अपने गुर्गों के माध्यम से हत्या करवाई। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि हाल ही में कमरुद्दीन और उसकी पत्नी के घर से हथियार बरामद होने के बाद दोनों को जेल भेजा गया था। जांच के दौरान कमरुद्दीन ने झूठे आरोप लगाकर मनसफ़ अली का नाम मामले में जोड़ा था, लेकिन डीएसपी रवि कुमार की जांच में मनसफ़ निर्दोष पाए गए। इसी प्रतिशोध में जेल से ही उन्होंने हत्या की साजिश रची। इस हत्याकांड में पुलिस ने अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुरारपुर निवासी मोहम्मद इजहार, औरैया निवासी कलाम अंसारी, सरिसवा निवासी रहमत अंसारी तथा मुंबई निवासी सलमान मिस्त्री (जो कमरुद्दीन का साला बताया जाता है) शामिल हैं। एसपी स्वर्ण प्रभात ने त्वरित खुलासे के लिए विशेष जांच दल (SIT) गठित कर दी है, जिसमें अरेराज डीएसपी रवि कुमार, साइबर डीएसपी अनुभव पाराशर, हरसिद्धि थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा, तूरकौलिया और गोविंदगंज थानाध्यक्ष शामिल हैं। टेक्निकल सेल और एफएसएल की टीम भी जांच में जुटी है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पोस्टमार्टम के बाद शव के गांव पहुंचने की प्रतीक्षा में सैकड़ों ग्रामीण एकत्र हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एसपी ने मृतक परिवार की सुरक्षा के लिए सुरक्षा गार्ड तैनात करने और गांव में पुलिस बल बनाए रखने का निर्देश दिया है।

जमीनी विवाद में मारपीट

बीएनएम @ जमुई/झाझा

जमीन विवाद में एक व्यक्ति के आंखों में मिर्च का पाउडर डालकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट कर हाथ तोड़ कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घटना झाझा थानाक्षेत्र के कानन गांव के समीप नदी के पास गुरुवार की देर शाम को हुई है। घायल की पहचान कानन गांव के रहने वाले नाथो यादव के रूप में हुई है जिसका इलाज परिजनों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा में हुआ। जिसे डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। घायल के पुत्र नीतीश यादव ने बताया कि जमीन विवाद मेरे चाचा सुरेश यादव और चचेरा भाई कामदेव यादव से हुआ। जिसको लेकर दो दिन पूर्व पंचायती भी हुआ जिसमें कोई भी आपसी झगड़ा नही होने की सहमति बनी। लेकिन गुरुवार की शाम जब मेरे पिता गांव की नदी की ओर गया तो छोटा चचेरा भाई ने मेरे पिता के आंख में मिर्च की पाउडर डालकर उसके बाद लोहे के रॉड से मारपीट कर हाथ तोड़कर घायल कर दिया।

युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत, पुलिस मामले की छानबीन में जुटी

मामले की छानबीन करती पुलिस

बीएनएम @ जमुई/झाझा

सेवा गांव के मैनेजर यादव के 20 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार की संदिग्ध अवस्था में मौत नौआठिका गांव के ब्रह्मस्थल के पास हो गई। वह 15 दिन से वहां अपनी खराब तबियत के कारण झाड़-फूंक करा रहा था। दीपक के पिता बाहर मजदूरी करते हैं और मां का देहांत हो चुका है। उसकी तबियत कुछ माह से खराब थी और वह एक माह से ब्रह्मस्थल मंदिर में ही रह रहा था।शुक्रवार को वह मंदिर के पास चार फीट की दीवार से अचानक गिर गया और बेहोश हो गया। मंदिर के पुजारी दिलीप ठाकुर और सहयोगी ललन ठाकुर ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से सूचना मिलने पर झाझा थाना पुलिस ने घटना की जानकारी ली। परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से इंकार करते हुए शव घर ले जाने की बात कही। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेहलता आज करेंगी नामांकन

» एनडीए की एकजुटता का संदेश देने की कोशिश

बीएनएम @ सासाराम

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच रोहतास जिले की सासाराम सीट पर सियासी हलचल तेज हो गई है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) के सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा ने घोषणा की है कि उनकी पत्नी स्नेहलता कुशवाहा एनडीए समर्थित उम्मीदवार के रूप में कल नामांकन करेंगी। यह कदम न सिर्फ एनडीए के भीतर तालमेल का प्रतीक माना जा रहा है, बल्कि स्थानीय असंतोष को शांत करने की रणनीति भी है।नामांकन से पहले उपेंद्र कुशवाहा ने भाजपा और जदयू के स्थानीय नेताओं से मुलाकातों का दौर शुरू कर दिया है। शुक्रवार को उन्होंने सासाराम के वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व विधायक जवाहर प्रसाद से उनके आवास पर मुलाकात की। करीब एक घंटे चली इस बैठक के बाद दोनों नेताओं ने कहा कि वे एनडीए उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे।गौरतलब है कि इस बार के सीट बंटवारे में सासाराम विधानसभा सीट भाजपा और जदयू दोनों को नहीं मिली, जिससे कार्यकर्ताओं में असंतोष फैल गया था। जिले में भाजपा को एक भी सीट न मिलने से कई स्थानीय नेता नाराज बताए जा रहे हैं। ऐसे माहौल में स्नेहलता कुशवाहा को मैदान में उतारना उपेंद्र कुशवाहा की ओर से एक राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश मानी जा रही है।उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, "कल स्नेहलता सासाराम से नामांकन करेंगी। हमें एनडीए के सभी घटक दलों का सहयोग मिल रहा है। हम सभी मिलकर बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनाएंगे।"वहीं, भाजपा नेता जवाहर प्रसाद ने कहा, "एनडीए में जो पांच पांडव हैं, उनमें उपेंद्र कुशवाहा सबसे छोटे और दुलारे भाई हैं। सासाराम जैसी प्रतिष्ठित सीट पर स्नेहलता की उम्मीदवारी एनडीए को जातीय और सामाजिक समीकरणों में भी लाभ पहुंचा सकती है।नामांकन के दिन एनडीए के कई प्रमुख नेताओं के सासाराम पहुंचने की संभावना है। इससे यह साफ संकेत जाएगा कि गठबंधन के भीतर एकता बनी हुई है और एनडीए चुनाव में साझा रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है।स्थानीय कार्यकर्ताओं का कहना है कि स्नेहलता कुशवाहा एक शिक्षित और सौम्य छवि वाली उम्मीदवार हैं, जिनकी लोकप्रियता महिलाओं और युवा मतदाताओं में भी अच्छी है। उनके मैदान में उतरने से एनडीए के लिए चुनावी माहौल और भी अनुकूल हो सकता है।कुल मिलाकर, सासाराम की यह लड़ाई अब सिर्फ एक सीट का चुनाव नहीं, बल्कि एनडीए की एकजुटता और आंतरिक सामंजस्य की परीक्षा भी बन गई है।

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग पर दो-दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला संपन्न, 12 जिलों को मिला सम्मान

प्रोजेक्ट–बेस्ड लर्निंग शिक्षा का जीवंत और अनुभवात्मक मंच : उप निदेशक

बीएनएम @ पटना

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले को सम्मानित करते अतिथि

राज्य शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT) और बिहार शिक्षा परियोजना परिषद (BEPC) के संयुक्त तत्वावधान में, मंत्रा4चेंज के सहयोग से प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (PBL) कार्यक्रम के तहत दो-दिवसीय राज्यस्तरीय त्रैमासिक नेतृत्व संवर्धन कार्यशाला का आयोजन पटना के होटल पाटलिपुत्र निर्वाण में किया गया।कार्यशाला का उद्देश्य जिलों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की प्रस्तुति, साक्ष्य-आधारित समीक्षा, आगामी छह माह की कार्ययोजना पर विमर्श, बेसलाइन सर्वे की समीक्षा और कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करना था। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 जिलों — मधेपुरा, लखीसराय, कैमूर, भोजपुर, वैशाली, पूर्वी चंपारण, बेगूसराय, अरवल, दरभंगा, गया, मुंगेर और रोहतास — को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।उद्घाटन सत्र में उप निदेशक ने कहा कि प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग शिक्षकों के लिए एक सशक्त मंच है, जो विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक जीवंत, रचनात्मक और अनुभवात्मक बनाता है। उन्होंने कहा कि यह पद्धति शिक्षकों को केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं रखती, बल्कि विद्यार्थियों के साथ मिलकर नए समाधान खोजने और प्रयोग करने की प्रेरणा देती है।कार्यशाला के दौरान बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी ने सभी जिलों से आए तकनीकी समूहों और शिक्षक समन्वयकों के साथ तीन माह की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कम प्रगति वाले जिलों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शैक्षणिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर समन्वित प्रयासों से ही बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने आने वाले छह माह के लिए साझा कार्ययोजना पर सहमति जताई और PBL के प्रभाव को और व्यापक बनाने का संकल्प लिया।

बगहा विधानसभा क्षेत्र से दिनेश अग्रवाल ने कराया नामांकन

नामांकन पत्र दाखिल करते दिनेश अग्रवाल

बीएनएम @ बगहा

बगहा विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में दिनेश कुमार अग्रवाल ने शुक्रवार को अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बगहा अब दलाली का अड्डा बन गया है। वर्षों से चुने गए जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र के विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी मुद्दों पर कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि बगहा की जनता अब बदलाव चाहती है, जो अपने हक, अधिकार और सम्मान के लिए जागरूक हो चुकी है।अग्रवाल ने कहा, "बगहा की जनता को 10 हजार रुपये नहीं चाहिए, हम बिहारी हैं, भीखारी नहीं हैं। हमें बच्चों के लिए कॉलेज, आईटीआई और रोजगार के अवसर चाहिए।" उनका कहना है कि बगहा की तस्वीर तभी बदलेगी जब जनता पुराने नेताओं को सबक सिखाएगी और नए सोच वाले प्रतिनिधि को मौका देगी।

अलीनगर विधानसभा : भाजपा प्रत्याशी मैथिली ठाकुर के नामांकन समारोह में उमड़ा जनसैलाब

जनता के लिए समाधान, क्षेत्र का उत्थान,विकास एवं अवसर सुनिश्चित करना मेरी प्राथमिकता : मैथली

बीएनएम @ अलीनगर

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के तहत अलीनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा समर्थित उम्मीदवार मैथिली ठाकुर के नामांकन समारोह में भारी जनसैलाब उमड़ा। इस अवसर पर उन्हें विजयश्री की अग्रिम शुभकामनाएँ दी गईं और उपस्थित जनता को संबोधित किया गया।समारोह में एनडीए गठबंधन के वरिष्ठ पदाधिकारी और क्षेत्र के प्रतिष्ठित जन भी मौजूद रहे, जिन्होंने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। नेताओं ने भाजपा और एनडीए की चुनावी रणनीति, विकास कार्यों और जनसंपर्क के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं और पार्टी के उम्मीदवार को जीत दिलाने में सहयोग करें।मैथिली ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समाधान, क्षेत्र का विकास और युवाओं एवं महिलाओं के लिए बेहतर अवसर सुनिश्चित करना है। उन्होंने स्थानीय जनता का धन्यवाद करते हुए समर्थन की अपील की।स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और मैथिली ठाकुर के पक्ष में समर्थन जताया। नामांकन समारोह के दौरान #alinagar और #biharelection2025 जैसे हैशटैग सोशल मीडिया पर चर्चा में रहे, जिससे चुनावी प्रचार को डिजिटल समर्थन भी मिला।विशेषज्ञों का मानना है कि अलीनगर विधानसभा में इस तरह का उत्साह भाजपा प्रत्याशी की जीत की संभावनाओं को मजबूत करता है। यह क्षेत्र आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए के लिए निर्णायक साबित हो सकता है, और पार्टी की स्थानीय पकड़ को और मजबूत करेगा।

15 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहा

गिरफ्तार अभियुक्त के साथ पुलिसकर्मी

आगामी विधानसभा चुनाव-2025 को देखते हुए सुरक्षा और कानून - व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पुलिस जिला बगहा द्वारा चलाए जा रहे विशेष समकालीन अभियान के तहत भितहा थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए भितहा थाना क्षेत्र के रुपही टांड़ गाँव में छापेमारी कर 15.788 किलोग्राम गांजा बरामद किया है और मौके से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। बगहा पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज को सूचना मिली थी कि रुपही टांड़ निवासी भोरिक डोम अवैध रूप से गांजा का कारोबार और परिवहन करता है। सूचना की संवेदनशीलता को देखते हुए, थानाध्यक्ष भितहा अभिलाष कुमार ने तत्काल एक पुलिस दल के साथ आरोपी के घर पर छापेमारी की। जांच के दौरान घर से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया, जिसे जब्त कर लिया गया। पुलिस ने इस मामले में दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। मामले में भितहा थाना में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई की जानकारी मिलने पर बगहा पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज ने भितहा थाना टीम की तत्परता और सक्रियता की सराहना की। उन्होंने जिले के अन्य थाना क्षेत्रों को भी इसी प्रकार की कार्रवाई के लिए सक्रिय रहने और अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। एसपी ने स्पष्ट किया कि विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।पुलिस अधीक्षक ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध कारोबार की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

गूगल का महा-निवेश

अमेरिका ने पेट्रोडॉलर समृद्ध पश्चिम एशियाई देशों के ऊर्जा एवं वित्त तथा भारत के टेक प्रशिक्षित मानव संसाधन को अपने एआई बौद्धिक संपदा से जोड़ कर इस नई तकनीक में खुद को अग्रणी बनाए रखने की बड़ी योजना बनाई है। गूगल भारत में आर्टिफिशिलय इंटेलिजेंस हब की स्थापना के लिए 15 बिलियन डॉलर का निवेश करेगी। इसके तहत विशाखापत्तनम में एक गिगावाट का डेटा सेंटर बनाया जाएगा। यह अमेरिका से बाहर एआई डेटा सेंटर बनाने की गूगल की योजना का हिस्सा है। इसके पहले माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन भी भारत में डेटा सेंटर बनाने का एलान कर चुकी हैं, हालांकि उनके प्रस्तावित निवेश का स्तर गूगल से काफी कम है। अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों में फिलहाल एआई में निवेश की होड़ लगी हुई है। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने खाड़ी देशों की अपनी पिछली यात्रा के दौरान अमेरिकी एआई परियोजना में पेट्रोडॉलर समृद्ध पश्चिम एशियाई देशों के ऊर्जा एवं वित्त तथा भारत के टेक प्रशिक्षित मानव संसाधन को अमेरिकी एआई बौद्धिक संपदा से जोड़ कर इस नई तकनीक में अपने देश को अग्रणी बनाए रखने की योजना घोषित की थी। इसके लिए विशाल पैमाने पर डेटा की जरूरत टेक कंपनियों को है। डेटा सेंटर की स्थापना ना सिर्फ महंगा कार्य है, बल्कि इसके लिए अत्यधिक ऊर्जा एवं उपकरणों को शीतलता देने के लिए शुद्ध जल की जरूरत होती है। इसका पर्यावरण पर खराब असर पड़ता है। तो अमेरिका ने अपने प्रभाव क्षेत्र वाले देशों की ऊर्जा उत्पादन क्षमता, जल उपलब्धता, वित्त एवं मानव संसाधन को अपनी परियोजना से जोड़ने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि विशाखापत्तनम में बनने वाले हब में अडानी ग्रुप और भारतीय एयरटेल का भी पैसा लगेगा। बेशक, इतने बड़े निवेश से भारत में विदेश मुद्रा आएगी। साथ ही रोजगार के अवसर पैदा होंगे। ये भारत के लिए फायदेमंद बातें हैं। मगर यह भी अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि ऐसी परियोजनाओं के साथ भारत लगातार अधिक मजबूती से अमेरिकी हाई टेक प्रतिमानों से जुड़ता जा रहा है। इससे भारत के अपनी जरूरतों के मुताबिक अपने प्रतिमान विकसित करने की संभावना सिकुड़ रही है। चूंकि अमेरिकी एआई उद्योग सेवा क्षेत्र पर केंद्रित है, तो भारत की मैनुफैक्चरिंग एवं सामाजिक जरूरतों के मुताबिक एआई तकनीक विकसित करने की संभावना ऐसे प्रतिमानों से नहीं बनेगी।

भारतीय संविधान का निर्माता आम्बेडकर या बीएन राव

प्रो.अरविंद नाथ तिवारी

आजकल सोशल साइट्स पर संविधान निर्माण पर काफी बहस लोगों बीच चल रहा है,कोई आम्बेडकर को निर्माण कर्ता बतला रहा है,तो कोई बी एन राव को,दोनों पक्ष एक दुसरे का आलोचना कर रहा है,दोनों पक्ष अर्ध्य सत्य जान जान रहें हैं,पूर्ण सत्य जानते तो आलोचना नहीं करते,आइए कैसे अर्ध्य जानते हैं,मैं इस आलेख में बताने जा रहा हूं,क्योंकि देश को जानना जरूरी है,पहले यह जानिए कि इंग्लैंड की सरकार के आदेश पर भारतीय संविधान निर्माण करने की योजना पर इंग्लैण्ड से केबिनेट मिशन 1946 में भारत आया था। केबिनेट मिशन योजना के अनुसार "संविधान सभा" के सदस्यों की संख्या 389 रखी गई जिनमें से 296 प्रतिनिधि ब्रिटिश प्रान्तों से और 93 प्रतिनिधि देशी राज्यों से रखे जाने की व्यवस्था की गई।संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन -डा० सच्चिदानन्द सिन्हा की अध्यक्षता में 9 दिसम्बर 1946 को दिल्ली में कई गयी, इसमें मुस्लिम लीग के सदस्यों ने भाग नहीं लिया, क्योंकि उनके विचार में भारत में दो राष्ट्र थे, एक हिन्दुओं का तथा दूसरा मुसलमानों का । इसलिये उनके विचार में इन दोनों राष्ट्रों के लिये पृथक-पृथक मंविधान सभायें होनी चाहियें थीं, इसका परिणाम यह हुआ कि केवल राष्ट्रीय मुस्लमान ही इस संविधान सभा में सम्मिलित हुए तथा इस बैठक में डा० सच्चिदानंद सिन्हा को संविधान निर्मात्री सभा का अस्थायी अध्यक्ष नियुक्त किया गया तथा बाद में 11 दिसम्बर 1946 को डॉ.राजेंद्र प्रसाद को इस सभा का स्थायी अध्यक्ष चुन लिया गया और वे अन्त तक इसके अध्यक्ष बने रहे। डॉ० बी० एन० राव को इस संविधान सभा का संवैधानिक सलाहकार (Constitution Adviser) नियुक्त किया गया । 13 दिसम्बर, 1946 को श्री जवाहर लाल नेहरू ने अपना प्रसिद्ध उद्देश्य प्रस्ताव (Objective Resolution)संविधान सभा में प्रस्तुत किया और संविधान सभा की वैधानिक आधारशिला रखी। इस उद्देश्य प्रस्ताव को 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया। इस उद्देश्य प्रस्ताव में सवि-धान सभा ने निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किया पहला "भारत एक पूर्णतया स्वतन्त्र और पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न गणराज्य होगा जिसके द्वारा स्वयं अपने संविधान का निर्माण किया जायेगा।" दुसरा "इस समय ब्रिटिश भारत कहे जाने वाले क्षेत्र, भारतीय रियासतों में आने वाले क्षेत्र और ब्रिटिश भारत तथा रियासतों के बाहर के ऐसे अन्य क्षेत्र, जो स्वतन्त्र प्रभु:व-सम्पन्न भारत में सम्मिलित होना चाहते हैं, सब मिलकर एक संघ मानेंगे।"तिसरा उद्देश्य प्रस्ताव में कहा गया कि, "ये तथाकथित क्षेत्र अपनी वर्तमान सीमाओं में अथवा संविधान द्वारा निश्चित की गई सीमाओं में संविधान द्वारा दी गई व्यवस्था के अनुसार स्वायत्तशासी ही इकाइयाँ होंगी, जिन्हें अपशिष्ट अधिकार प्राप्त होंगे और यह उन अधिकार तथा कार्यों को छोड़कर, जो केन्द्र में निहित अथवा उसे सौपे गये हों। शासन तथा प्रशासन के सभी अधिकार तथा कार्यों का पालन करेंगे।"चौथा "जनता ही भारतीय संघ तथा उसके अन्तर्गत विविध राज्यों में समस्त राज्य शक्ति का स्रोत होगी।"पांचवा "भारत के नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक न्याय, प्रदनिर्माण और कार्य की स्वतन्त्रता, कानून और सार्वजनिक नैतिकता के अधीन प्राप्त होगी।"(vi) "अल्पसंख्यक वर्गों, पिछड़ी जातियों एवं कबाइली जातियों के हितों की रक्षा की समुचित व्यवस्था की जायेगी।"(vii) 'भारत राज्य क्षेत्र की अखण्डता और भूमि, जल तथा वायु पर उसकी सम्प्रभुता की, रक्षा, न्याय तथा सभ्य राष्ट्रों के कानूनों के अनुगार की जायेगी।"(viii) "यह प्राचीन देश विश्व में अपना अधिकार और सम्मानपूर्ण स्थान प्राप्त करता है और विश्व शान्ति तथा मानव जाति के कल्याण में अपना पूर्ण और स्वैच्छिक योग देता रहेगा।"उपरोक्त उद्देश्य प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय श्री जवाहर लाल नेहरू ने कहा था, "इस प्रस्ताव में हमारी वे आकांक्षायें व्यक्त की गई हैं, जिनके लिये हमने इतने कठोर संघर्ष किये हैं। संविधान सभा इन्हीं उद्देश्यों के आधार पर हमारे सविधान का निर्माण करेगी।" वस्तुतः भारतीय संविधान के निर्माण में इस प्रस्ताव का वही महत्व है जो अमरीकी संविधान के लिये स्वतन्त्रता की घोषणा का है। श्री के० एम० मुन्शी ने इस उद्देश्य प्रस्ताव के विषय में कहा था, "नेहरू का उद्देश्य सम्बन्धी यह प्रस्ताव ही हमारे स्वतन्त्र गणराज्य की जन्म कुण्डली है।" संविधान निर्मात्री सभा की समीक्षा (Criticism of Constituent Assembly)संविधान निर्मात्री सभा की अनेक विचारकों एवं नेताओं द्वारा आलोचना की गई थी। उसके गठन एवं क्रिया-प्रक्रिया के सम्बन्ध में अनेक प्रकार की टिप्पणी की गई, जिनमें से प्रमुख इस प्रकार हैं- भारतीय संविधान निर्मात्री सभा की वैज्ञानिक स्थिति के सम्बन्ध में अनेक प्रकार से टिप्पणी की गई थी। संविधान सभा द्वारा संविधान-निर्माण एक निश्चित प्रक्रिया द्वारा किया गया तथा संविधान निर्माण की यह प्रक्रिया विभिन्न स्तरों से होती हुई अपनी मंजिल तक पहुंची। संविधान-निर्माण की इन विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन इस प्रकार किया जा सकता है----- नवीन संविधान का प्रथम प्रारूप संविधान सभा के कार्यालय द्वारा तैयार किया गया, जिसका निर्देशन संविधान सभा के सवैधानिक सलाहकार डा० बी० एन० राव ने किया। इस प्रारूप को तैयार करने के लिये सर्वप्रथम इस सभा के कार्यालय ने 60 देशों के महत्वपूर्ण तथ्यों को 3 ग्रन्थों में प्रकाशित किया। बी० एन० राव को इस कार्य के लिये सन् 1947 के अन्तिम तीन महीनों में विदेशों में यात्रा करनी पड़ी तथा इन यात्राओं के प्रतिवेदन के रूप में अपने महत्वपूर्ण तथ्य-विचार रखें । संविधान का द्वितीय प्रारूप प्रारूप समिति द्वारा निर्मित (Second Draft of Constitution-Prepared by Draft Committee) - संविधान का प्रथम प्रारूप, जिसे संविधान सभा के कार्यालय द्वारा निर्मित किया गया था, जब प्रकाशित किया गया तब उसकी टीका-टिप्पणी हुई, आलोचना हुई तथा अनेक सुझाव भी आये । इन आलोचनाओं एवं सुझावों को समायोजित करने तथा विचार-विमर्श करने के उपरान्त संविधान सभा के सम्मुख प्रस्तुत करने के लिये एक प्रारूप समिति को सौंप दिया गया। इस समिति ने आलोचनाओं, सुझावों आदि की दृष्टि से समुचित,परिवर्तन करके तथा स्पष्टीकरण सहित संशोधित एवं मुद्रित कराकर संविधान सभा के अध्यक्ष को 27 अक्टूबर 1948 को सौंप दिया । इस प्रारूप की प्रकाशित प्रतियाँ संविधान सभा के सदस्यों को भी प्रदान की गई। संविधान सभा में इस द्वितीय एवं संशोधित प्रारूप पर 4 नवम्बर, 1948 से विचार-विमर्श आरम्भ हुआ। इस संशोधित एवं समायोजित द्वितीय प्रारूप के सम्बन्ध में प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ० अम्बेदकर ने कहा था कि, "प्रारूप समिति ने एक मौलिक प्रलेख तैयार करने के बजाय विद्यमान परिस्थितियों में एक व्यावहारिक प्रलेख तैयार करने की चेष्टा की ।"इस प्रकार प्रारूप समिति द्वारा प्रस्तुत यह द्वितीय प्रारूप समस्त टीका टिप्पणियों, आलोचनाओं एवं सुझावों पर विचार-विमर्श करके संविधान सभा में प्रस्तुत किया गया।उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश संविधान आदि में कुछ जोड़ने के लिये अथवा संवैधानिक महत्व का कोई कानून पारित करते समय इगलैण्ड में यह परम्परा है कि उस विधेयक की प्रत्येक धारा पर पर्याप्त वाद-विवाद एवं विचार-विमर्श हो । संविधान सभा द्वारा भी ब्रिटेन की इस परम्परा का पालन किया गया और संविधान सभा द्वारा द्वितीय प्रारूप की प्रत्येक धारा पर व्यापक रूप से वाद-विवाद हुआ। 15 नवम्बर, 1948 से 17 अक्टूबर, 1949 तक इस प्रारूप पर वाद-विवाद हुआ जिसमें सभी वर्गों हितों तथा सदस्यों को अपने विचार प्रस्तुत करने का पूर्ण अवसर प्रदान किया गया । संविधान सभा द्वारा इस विचार-विमर्श के द्वितीय वाचन के दौरान लगभग 7635 संशोधन प्राप्त किये गये तथा उनमें से 2,473 पर गम्भीरता पूर्वक विचार-विमर्श किया गया । इस प्रारूप की प्रत्येक धारा पर व्यापक विचार-विमर्श करने के उप्रान्त प्रस्तावना पर विचार-विमर्श करके उसे स्वीकार किया गया । संविधान सभा के अन्तर्गत हुए इस विचार-विमर्श की एक बहुत बड़ी विशेषता यह थी कि इस सभा में प्रस्तुत सभी विषयों एवं प्रश्नों पर सर्वसम्मत्ति से निर्णय लिये गये तथा प्रत्येक वर्ग एव प्रतिनिधि के विचारों को समुचित सम्मान दिया गया । दसवें अधिवेशन के उपरास्त प्रारूप समिति को पुनः एक बार द्वितीय वाचन के दौरान आये सुझावों पर विचार करने तथा वर्तनी, विराम चिन्हों आदि की दृष्टि से संविधान में परिवर्तन कर सशोधित एवं परिमार्जित रूप में प्रस्तुत प्रारूप समिति ने 17 अक्टूबर, 1949 से 3 नवम्बर, 1949 तक पुनः इस संविधान के प्रारूप पर विचार-विमर्श किया तथा अपना प्रतिवेदन अन्तिम रूप से संविधान सभा के अध्यक्ष के सम्मुख प्रस्तुत किया। 14 नवम्बर, 1949 से 17 नवम्बर 1949 तक संविधान सभा ने संविधान प्रारूप का तीसरा वाचन पूर्ण किया। इस तीसरे वाचन के उपरान्त प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा० अम्बेडकर द्वारा संविधान सभा द्वारा निर्णीत संविधान को पारित करने के लिये प्रस्ताव रखा गया। संविधान-प्रारूप को पारित करने का यह प्रस्ताव 26 नवम्बर, 1949 को संविधान सभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया, तब संविधान सभा का 12वाँ अधिवेशन 4 जनवरी, 1950 को आमन्त्रित किया गया। इस अधिवेशन में 308 सदस्यों द्वारा भाग लिया गया। इस संविधान सभा के अधिवेशन में संविधान सभा के 308 सदस्यों ने संविधान पारित करने के लिये हस्ताक्षर किये ।इसी अवसर पर यह भी निर्णय लिया गया कि नवीन सविधान को 26 जनवरी, 1950 से लागू किया जाय तथा नवीन संविधान द्वारा स्थापित स्वतन्त्र एवं पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न 'भारतीय संघ गणराज्य' का प्रथम राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद को बनाया जाये ।

खुशियों की दीपावली : मन का अंधियारा दूर करने का समय

डॉ प्रियंका सौरभ

दीपावली वर्ष का वह पर्व है जो केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के तमस को मिटाकर आत्मिक प्रकाश जगाने का संदेश देता है। यह वह दिन है जब लोग घरों को सजाते हैं, दीपक जलाते हैं, नए वस्त्र पहनते हैं और मिठाइयाँ बाँटते हैं। परंतु क्या हमने कभी ठहर कर सोचा है कि असली दीपावली क्या केवल घर की सफाई और रोशनी से पूरी हो जाती है? क्या वास्तव में वह अंधकार, जिसके नाश के लिए यह पर्व मनाया जाता है, केवल दीवारों और आँगन में होता है या हमारे मन और व्यवहार में भी कहीं छिपा है? आज का समाज बाहरी चमक में इतना उलझ गया है कि भीतर की रोशनी मद्धम पड़ती जा रही है। दीपावली अब अक्सर दिखावे, खर्च और प्रतिस्पर्धा का उत्सव बनती जा रही है। लोग इस दिन अपने घर को हजारों लाइटों से सजा देते हैं, लेकिन अपने मन के कोनों में बसे अंधकार- ईर्ष्या, अहंकार, असंतोष और असहनशीलता को नजरअंदाज कर देते हैं। त्योहार का असली उद्देश्य यही था कि हम अपने भीतर झाँकें, संबंधों को सहेजें और अपने चारों ओर स्नेह की रोशनी फैलाएं। मगर आज यह भावना बाज़ार और भौतिकता के शोर में खोती जा रही है। दीपावली केवल लक्ष्मी के आगमन का नहीं बल्कि आत्ममंथन का भी समय है। जब हम घर के हर कोने की धूल झाड़ते हैं, तो दरअसल हमें अपने मन की धूल भी झाड़नी चाहिए- पुरानी शिकायतें, मतभेद, कटुता और तनाव। हर दीपक यह याद दिलाता है कि अंधकार मिटाने के लिए केवल एक दीप ही काफी होता है, बशर्ते वह सच्चे मन से जलाया गया हो। परिवार में एक छोटी सी मुस्कान, एक क्षमा का भाव, एक प्रेमपूर्ण संवाद- यही वे दीप हैं जो रिश्तों के कोनों को रोशन करते हैं। आज के दौर में यह पर्व मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में भी बहुत मायने रखता है। तेज़ भागदौड़, सामाजिक दबाव, कामकाजी तनाव और डिजिटल दुनिया की भागमभाग में इंसान भीतर से खाली होता जा रहा है। त्यौहारों को भी हमने एक "इवेंट" बना दिया है- फोटोशूट, सोशल मीडिया पोस्ट और महंगे तोहफों की परंपरा ने उसकी आत्मा को कमजोर कर दिया है। हमें यह याद रखना होगा कि दीपावली का आनंद केवल बाहरी सजावट में नहीं, बल्कि उस मानसिक सुकून में है जो हमें अपनेपन, संवाद और आत्मीयता से मिलता है। आजकल के बच्चे और युवा पटाखों की चमक में खुशियाँ ढूंढते हैं। लेकिन क्या हमें यह अधिकार है कि अपनी खुशी के लिए पर्यावरण को प्रदूषित करें? धुएं और शोर से भरी हवा में सांस लेता हर जीव, हर बच्चा और हर बुजुर्ग इस खुशी की कीमत चुका रहा है। असली आनंद तो तब है जब हमारे दीपक किसी को कष्ट न दें। जब हम धरती माँ के प्रति भी उतने ही संवेदनशील हों जितने अपने घर के प्रति। पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाना अब केवल विकल्प नहीं, जिम्मेदारी बन चुकी है। मिट्टी के दीप, प्राकृतिक रंगों की सजावट और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके भी हम इस पर्व को सुंदर बना सकते हैं — और यह सौंदर्य कृत्रिम रोशनी से कहीं अधिक स्थायी है। दीपावली के अवसर पर एक और अंधकार मिटाने की आवश्यकता है- वह है अकेलेपन और मानसिक बेचैनी का अंधकार। त्योहार का मौसम बहुतों के लिए उत्सव का होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह यादों और उदासी का समय भी होता है। जिनके अपने दूर हैं, जो किसी प्रिय को खो चुके हैं, या जो आर्थिक और सामाजिक संघर्षों से जूझ रहे हैं- उनके लिए यह रोशनी कई बार चुभन का कारण बनती है। ऐसे में समाज का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के ऐसे लोगों को भी इस रोशनी में शामिल करे। दीपावली का असली अर्थ तभी पूर्ण होगा जब किसी के घर का अंधकार भी हमारे दीप से दूर हो। हमारे शास्त्र कहते हैं- तमसो मा ज्योतिर्गमय- यानी हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाना चाहिए। यह प्रकाश केवल दीपक का नहीं बल्कि ज्ञान, विवेक और करुणा का है। जब मन में करुणा का प्रकाश जलता है, तो वह हजारों दीपकों से अधिक उजाला फैलाता है। दीपावली हमें यही सिखाती है कि जीवन में प्रकाश फैलाना केवल दिए जलाने का नहीं, बल्कि दया, सत्य और प्रेम की राह पर चलने का प्रतीक है। त्योहारों का मकसद केवल परंपरा निभाना नहीं होता। वे हमें रुककर सोचने का अवसर देते हैं कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। दीपावली हमें याद दिलाती है कि जो प्रकाश बाहर है, वह तभी स्थायी होगा जब भीतर भी उजाला हो। जब हम अपने भीतर के राम को जगाते हैं और रावण रूपी अहंकार, द्वेष और लालच को जलाते हैं, तभी सच्ची दीपावली मनती है। आज के समय में यह भी जरूरी है कि हम दीपावली को "समावेशिता का पर्व" बनाएं। समाज में विभाजन की दीवारें, जाति-धर्म के मतभेद, आर्थिक असमानता — ये सब हमारे युग के अंधकार हैं। अगर हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ा सा प्रकाश फैला सके- किसी गरीब को भोजन दे दे, किसी बच्चे की शिक्षा में सहयोग करे, किसी बीमार को सहारा दे- तो वही दीपावली सबसे उज्ज्वल होगी। असली लक्ष्मी वही है जो करुणा, दया और सेवा के रूप में घर में प्रवेश करे। दीपावली व्यापार का भी पर्व मानी जाती है। यह समय होता है जब बाजारों में रौनक रहती है, कारोबारियों की आशाएं बढ़ती हैं। लेकिन व्यापारी समुदाय को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि सच्चा लाभ केवल आर्थिक नहीं, नैतिक भी होता है। ईमानदारी, पारदर्शिता और ग्राहक के प्रति सम्मान ही वह पूंजी है जो लंबे समय तक टिकती है। जब बाजार में विश्वास का दीप जलेगा, तभी समाज समृद्ध होगा। हमारी संस्कृति में यह भी कहा गया है कि "दीपावली केवल संपन्नता का नहीं, संयम का भी प्रतीक है।" इसलिए अत्यधिक उपभोग, दिखावा और प्रतिस्पर्धा से बचना ही सच्ची श्रद्धा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि "थोड़े में भी बहुत" कैसे पाया जा सकता है। जिस घर में प्रेम, संतोष और एकता है, वहाँ हर दिन दीपावली है। आज जरूरत है कि हम दीपावली को एक आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन के रूप में देखें। हर व्यक्ति अपने जीवन में एक संकल्प लें कि वह किसी न किसी रूप में प्रकाश फैलाएगा। कोई ज्ञान के दीप जलाएगा, कोई सहायता का, कोई प्रेम का। जब हर व्यक्ति एक दीप बनेगा, तो समाज में ऐसा उजाला फैलेगा जिसे कोई अंधकार मिटा नहीं सकेगा। कभी-कभी यह भी आवश्यक है कि हम इस पर्व को कुछ पल की शांति के साथ मनाएँ। आत्मचिंतन के कुछ क्षण, अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना, और अपनी उपलब्धियों व कमियों पर विचार करना भी दीपावली का हिस्सा होना चाहिए। जब हम अपने भीतर के दीप से मार्ग रोशन करते हैं, तो जीवन में दिशा स्पष्ट होती है। दीपावली का अर्थ केवल "दीप" नहीं, "आवली" अर्थात् श्रृंखला भी है। यह श्रृंखला बताती है कि प्रकाश एक से दूसरे तक पहुँचता है। यही मानवता का मूल संदेश है -एक दीप दूसरे को जलाए, एक दिल दूसरे को रोशन करे। तभी यह संसार अंधकार से मुक्त हो सकेगा। अंततः, इस दीपावली पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि अपने विचारों, व्यवहारों और समाज को भी प्रकाशित करेंगे।

गाजा में हमास की क्रूरता के बीच 'रहम' की अपील का औचित्य क्या है?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इजराइल और गाजा के बीच संघर्ष विराम (सीजफायर) की घोषणा के बावजूद हिंसा का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। दुनिया भर में शांति और राहत की अपीलें जारी हैं, पर गाजा से आई एक भयावह घटना ने फिर से पूरी मानवता को झकझोर दिया है। 14 अक्टूबर 2025 का एक वीडियो सामने आया, जिसमें हमास के लड़ाके आठ लोगों को आँखों पर पट्टी बाँधकर, घुटनों के बल बिठाकर गोलियों से भून देते हैं। चारों ओर से मजहबी नारे गूंजते हैं और यह दृश्य किसी भी संवेदनशील और लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास रखनेवाले व्यक्ति के दिल को हिला देता है। विडंबना यह है कि यह घटना उसी दिन हुई जब अमेरिका, तुर्की, मिस्र और क़तर की मध्यस्थता में गाजा के लिए शांति प्रस्ताव पारित किया गया था। सवाल उठता है, जब सीजफायर लागू था, तब यह निर्मम हिंसा क्यों? और क्या "गाजा के लिए शांति" की अपील करने वालों को यह नहीं देखना चाहिए कि स्वयं गाजा में हमास किस तरह का आतंक फैला रहा है? अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की रिपोर्टें इस बात की पुष्टि करती हैं कि हाल के दिनों में हमास ने अपने ही क्षेत्र के कई लोगों को "इसराइल से सहयोग" के शक में सार्वजनिक रूप से मौत के घाट उतार दिया। इन लोगों को बिना किसी न्यायिक प्रक्रिया के गोली मार दी गई। न अदालत, न सुनवाई, न बचाव का अधिकार। शवों पर बंधे हाथों और पट्टी बंधी आँखों के निशान यह साबित करते हैं कि यह सब योजनाबद्ध था। युद्धविराम के बाद जब आम नागरिक राहत की उम्मीद कर रहे थे, तब हमास के हथियारबंद दस्ते सड़कों पर उतरे और अपने विरोधियों या संदिग्धों को पकड़कर सरेआम दंडित करने लगे। यह दहशत का शासन है, जहाँ सवाल उठाना गुनाह और असहमति देशद्रोह बन जाती है। क्या यह सही है? भारत समेत पूरी दुनिया में गाजा के समर्थन में आवाजें उठती हैं। सड़कों पर इंसाफ, इंसानियत के नारे गूंजते हैं, लेकिन जब "रहम" या "शांति" की बात की जा रही है, तो हमास जैसे सशस्त्र आतंकी समूह लोगों पर अत्याचार करते, हिंसा करते और उन्हें मौत के घाट उतारते हुए नजर आ रहे हैं? इन क्रूरता भरे दृश्यों को देखकर तो यही लग रहा है कि

शांति की अपील तभी सार्थक है जब वह न्याय के साथ खड़ी हो। हमास जैसे संगठन, जो अपने ही नागरिकों को घुटनों पर बैठाकर गोली मारते हैं, उनके प्रति "रहम" की अपील वस्तुतः मानवता के साथ अन्याय है। अंतरराष्ट्रीय कानून विशेष रूप से जिनेवा संधियाँ यह स्पष्ट करती हैं कि किसी भी संघर्ष में नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिना मुकदमे के हत्या, सार्वजनिक निष्पादन और यातना सीधे-सीधे युद्ध अपराध की श्रेणी में आते हैं। ऐसे में स्वभाविक तौर पर हमास द्वारा किए गए ये सार्वजनिक निष्पादन अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद और अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय को इन पर स्वतः संज्ञान लेना चाहिए। हमास को कुछ लोग "प्रतिरोध संगठन" कहते हैं, लेकिन उसकी कार्यशैली किसी भी आधुनिक राजनीतिक आंदोलन से अधिक क्रूर और सत्तालोलुप है। उसका ढाँचा इस्लामिक महजब की कट्टर व्याख्या और भय के शासन पर आधारित है। हथियार उसके लिए केवल रक्षा का साधन नहीं, सत्ता का प्रतीक हैं। स्थानीय पत्रकारों की रिपोर्टें बताती हैं कि सीजफायर के बाद भी हमास के लड़ाके गश्त पर हैं और जो कोई भी बाहरी संपर्क या आलोचना की कोशिश करता है, उसे "देशद्रोही" कहकर गायब कर दिया जाता है। वस्तुतः आज ये सभी को समझना होगा कि जो संगठन इस्लामिक मजहब के नाम पर आतंक और सार्वजनिक निष्पादन को वैध ठहराते हैं, उन पर रहम नहीं, जवाबदेही आवश्यक है। क्योंकि जब अपराधी "रहम" को अपनी ढाल बना लेते हैं, तब न्याय का हनन होता है। भारत में गाजा के समर्थन में उठती आवाजें यह दर्शाती हैं कि यहाँ के लोग संवेदनशील हैं और विश्व-मानवता के प्रति सहानुभूति रखते हैं। लेकिन संवेदना और यथार्थ के बीच की रेखा को समझना भी जरूरी है। यदि कोई वास्तव में गाजा के नागरिकों की चिंता करता है, तो उन्हें यह भी कहना चाहिए कि "हमास को हथियार डालने चाहिए, न्यायिक प्रक्रिया बहाल होनी चाहिए और असहमति का अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए।" यही सच्चा मानवीय दृष्टिकोण होगा। हालांकि सोशल मीडिया के इस दौर में गाजा या इसराइल से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सेकंडों में वायरल हो जाते हैं। पर हर दृश्य सत्य नहीं होता। कई वीडियो पुराने या संपादित होते हैं। इसीलिए हर जानकारी को आँख मूँदकर स्वीकार करना खतरनाक है। तथ्यों की जांच और सत्यापन आवश्यक है। फिर भी, जिन घटनाओं की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने की है, जैसे हमास द्वारा किए गए सार्वजनिक निष्पादन; उन्हें किसी प्रचार से नकारा नहीं जा सकता। जब किसी को घुटनों पर बिठाकर सिर में गोली मारी जाती है और भीड़ मजहबी नारे लगाती है, तो यह सीधे- सीधे इस्लामिक मजहबी हिंसा नजर आती है। यह निर्मम हत्याएं हैं, जिसका कोई औचित्य नहीं। वास्तव में सोचा जाए तो गाजा का संकट आज युद्ध से कहीं अधिक मानवता के दोहरे मापदंडों का भी दर्पण है। एक ओर दुनिया हिंसा रोकने की अपील करती है, दूसरी ओर वही दुनिया अक्सर उन संगठनों को अनदेखा कर देती है जो मजहब की आड़ में निर्दोषों का खून बहाते हैं। यही कारण है कि आज सवाल यह नहीं कि शांति चाहिए या नहीं; बल्कि यह है कि शांति किसके लिए चाहिए? निर्दोष नागरिकों के लिए या हथियारबंद आतंकी गिरोहों के लिए? ऐसे में कहना यही होगा कि गाजा में सच्ची शांति तब ही आएगी जब वहां आतंक और भय का अंत होगा। जब हमास की बंदूकें खामोश होंगी, तभी गाजा के बच्चों की सच्ची हँसी लौटेगी।

मेषः आज का दिन आपके लिए कई शुभ संकेत लेकर आया है। लंबे समय से चल रही कोई निजी समस्या अब किसी आत्मीय मित्र से बातचीत के बाद हल्की हो सकती है, जिससे आपको मानसिक सुकून मिलेगा। आज कोई पुराना साथी आपके घर दस्तक दे सकता है और उसके साथ बिताया गया वक्त आपके लिए सुखद अनुभव लेकर आएगा। इंजीनियरिंग क्षेत्र से जुड़े जातकों को अच्छे लाभ मिलने की संभावना है।

वृषभः आज का दिन संतुलन और पारिवारिक सुख-संतोष से भरा रहेगा। स्पोर्ट्स से जुड़े लोग ट्रेनिंग में अपना सौ प्रतिशत देने का प्रयास करेंगे और मेहनत रंग भी लाएगी। कोरियर या लॉजिस्टिक से जुड़े कारोबारी आज लाभ की स्थिति में रहेंगे। विद्यार्थी अपने प्रैक्टिकल असाइनमेंट में सीनियर्स की सहायता से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। दांपत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा और नवविवाहित जोड़े धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं।

मिथुनः आज आपके जीवन में कुछ खास बदलाव दस्तक दे सकते हैं, जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होंगे। परिवार में आपके कामों की सराहना होगी और आपकी कार्यकुशलता की चर्चा हो सकती है। व्यवसाय में लाभ मिलने के योग बन रहे हैं, विशेषकर होटल, कैटरिंग और रेस्टोरेंट से जुड़े लोगों के लिए दिन लाभकारी है। जीवन के निर्णयों में पिता या किसी वरिष्ठ का सहयोग मिलेगा, जिससे आप आत्मविश्वास से भर जाएंगे।

कर्कः आज का दिन पारिवारिक दृष्टि से सकारात्मक रहेगा। घर में आपके अच्छे कार्यों की सराहना होगी। महिलाओं के लिए दिन विशेष रूप से फलदायी है, उन्हें किसी नए अवसर की प्राप्ति हो सकती है। छात्रों के लिए यह समय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में समर्पित रहने का है। किसी पुराने सहयोगी की मदद आज फिर से आपके काम आ सकती है।

सिंहः सिंह राशि के जातकों के लिए आज का दिन योजनाओं के क्रियान्वयन का है। व्यवसाय को विस्तार देने के लिए आप कोई नई रणनीति बना सकते हैं, जो आने वाले समय में सफलता का मार्ग खोलेगी। पुराने दोस्तों से मुलाकात संभव है जिससे मन प्रसन्न रहेगा। सेहत के मामले में राहत मिलेगी, विशेष रूप से यदि आप अर्थराइटिस से पीड़ित हैं। घर में सकारात्मक माहौल बना रहेगा।

कन्याः आज का दिन भक्ति और सेवा भाव से शुरुआत करने का है। किसी गरीब की मदद करने से आपके दिन की ऊर्जा सकारात्मक बनी रहेगी। घर में कोई धार्मिक आयोजन हो सकता है, जिससे पारिवारिक संबंधों में मजबूती आएगी। व्यवसाय में विदेशी यात्राओं के योग हैं। पॉजिटिव सोच के साथ लिए गए निर्णय आज आपको सफलता की ओर ले जाएंगे।

तुलाः आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और प्रेम में नई ऊर्जा का संचार होगा। व्यापारियों के लिए दिन अधिक लाभ वाला रहेगा और कोई नया प्रोजेक्ट भी मिल सकता है। ऑफिस में लम्बे समय से अटके काम आज पूरे हो सकते हैं। मित्रों संग घूमने-फिरने की योजना भी बन सकती है। सामाजिक और कार्यक्षेत्र दोनों ही जगहों पर सहयोग और मान-सम्मान प्राप्त होगा।

वृश्चिकः आज आपकी शिक्षा में आ रही बाधाएं दूर होंगी और आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे। किसी धार्मिक या पारिवारिक आयोजन में भाग लेने से मन प्रसन्न रहेगा। दोस्तों की मदद से आर्थिक संकट से राहत मिल सकती है। जल्दबाजी से बचें और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ें। ध्यान रहे कि कोई निर्णय भावनाओं में बहकर न लें।

धनुः धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन धार्मिकता और पारिवारिक मेलजोल से भरपूर रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थल की यात्रा हो सकती है, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। नया व्यापार शुरू करने के लिए दिन शुभ है। किसी पुराने अटके काम के बनने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और परिवार का सहयोग भी भरपूर मिलेगा।

मकरः आज आपको अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है, लेकिन इसका सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिलेगा। कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं, जिनका आप सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे। माता के आशीर्वाद से घर में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

कुंभः कुंभ राशि के लिए आज का दिन नई शुरुआत और संभावनाओं से भरपूर है। ऑफिस में कोई नया प्रोजेक्ट मिल सकता है, जो आपकी जिम्मेदारियों को बढ़ा सकता है। धन लाभ के योग हैं, लेकिन मेहनत भी अधिक करनी पड़ेगी।

मीनः आज आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे। परिवार में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और आपके कार्यों की सराहना होगी। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई में रूचि बढ़ेगी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बेहतर समय है। समय का सदुपयोग करते हुए आप सफलता की ओर बढ़ेंगे। माता-पिता का आशीर्वाद आपके साथ रहेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रोहित तोड़ सकते हैं अफरीदी के छक्के लगाने का विश्व रिकार्ड

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे में सबसे अधिक छक्के लगाने का विश्व रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। अभी ये रिकार्ड पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के नाम है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर में पर्थ में शुरु हो रही तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में रोहित को अफरीदी के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल आठ छक्कों की जरूरत है।

रोहित ने अभी तक 273 एकदिवसीय मैचों में 344 छक्के लगाये हैं। वहीं अफरीदी के नाम 398 एकदिवसीय मैचों में 351 छक्के हैं। रोहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में दूसरे नंबर पर है। वहीं वेस्टइंडीज के क्रिस गेल 331 छक्कों के साथ तीसरे नंबर पर हैं। रोहित के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में 205 छक्के हैं। वहीं टेस्ट में वह 88 छक्के हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम 637 छक्के का रिकार्ड है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रोहित के नाम सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। रोहित ऑस्ट्रेलिया में 8 छक्के लगाते ही सबसे तेज 350 छक्के जड़ने वाले पहले खिलाड़ी भी बन जाएंगे। अफरीदी को यहां तक पहुंचने के लिए 398 मैच खेलने पड़े थे। वहीं रोहित ने अभी तक 273 मैच ही खेले हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला एकदिवसीय मैच 19 अक्टूबर को पर्थ में खेला जाएगा। वहीं दूसरा एकदिवसीय 23 को एडिलेड में जबकि तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा।

भारत-पाकिस्तान विश्व कप मुकाबले ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, बना महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे ज़्यादा देखा गया अंतरराष्ट्रीय मैच

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच 5 अक्टूबर को खेले गए महिला वनडे विश्व कप मुकाबले ने दर्शक संख्या के सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, इस मैच ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 28.4 मिलियन की पहुंच और 1.87 अरब मिनट के व्यूइंग टाइम के साथ महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे ज़्यादा देखा गया अंतरराष्ट्रीय मैच बन गया है। आईसीसी ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि यह मुकाबला दर्शक संख्या के लिहाज़ से टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच रहा। वहीं, लीग चरण के पहले हिस्से में भी दर्शकों की संख्या में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि देखने को मिली है। भारत-पाकिस्तान मैच टीवी पर भी विश्व कप इतिहास का सबसे ज्यादा रेटिंग वाला लीग मैच बन गया है। टूर्नामेंट के पहले 11 मैचों ने कुल 72 मिलियन दर्शकों तक पहुंच बनाई, जो पिछली बार की तुलना में 166% अधिक है। इसके साथ ही, व्यूइंग मिनट्स में 327% की वृद्धि दर्ज की गई और यह आंकड़ा 6.3 अरब मिनट तक पहुंच गया। स्टेडियम में दर्शकों की उपस्थिति भी उत्साहजनक रही है। भारत में भारतीय टीम के मैचों और श्रीलंका में श्रीलंका के मैचों में बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। हालांकि, अन्य टीमों के मुकाबलों में दर्शक संख्या अपेक्षाकृत कम रही। कोलंबो में जब भारत या श्रीलंका नहीं खेल रहे होते हैं तो दर्शक संख्या हजारों में रही है। मौसम ने भी उपस्थिति को प्रभावित किया है। आईसीसी और जियोहॉटस्टार के संयुक्त आंकड़ों के मुताबिक, टूर्नामेंट के पहले 13 मैचों तक 60 मिलियन से अधिक दर्शक पहुंचे, जो 2022 संस्करण की तुलना में पांच गुना अधिक है। वहीं कुल वॉच टाइम 7 अरब मिनट तक पहुंच गया, जो पिछले टूर्नामेंट से 12 गुना अधिक है। 12 अक्टूबर को भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के मुकाबले में 4.8 मिलियन पीक समकालिक दर्शक दर्ज किए गए, जो महिला क्रिकेट के इतिहास में एक और नया रिकॉर्ड है।

रिकॉर्ड एक नज़र में

- भारत-पाकिस्तान मैच की पहुंचः 28.4 मिलियन
- व्यूइंग टाइमः 1.87 अरब मिनट
- कुल पहुंच (पहले 11 मैच): 72 मिलियन
- व्यूइंग टाइम (कुल): 6.3 अरब मिनट
- ऑस्ट्रेलिया मैच पर पीक व्यूअरशिपः 4.8 मिलियन

यह उपलब्धि महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और दर्शकों में बढ़ते रोमांच को दर्शाती है।

भारत दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम घोषित, बावुमा की दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में होगी वापसी

एजेंसी, नई दिल्ली

क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने गुरुवार को भारत दौरे के लिए अपनी 'ए' टीम की घोषणा कर दी। दौरे की शुरुआत 30 अक्टूबर से बेंगलुरु में दो चार दिवसीय अनऑफिशियल टेस्ट मैचों से होगी। दूसरा चार दिवसीय मैच 6 से 9 नवंबर तक खेला जाएगा। दोनों मुकाबले बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें 13 से 19 नवंबर तक राजकोट में तीन मैचों की वनडे सीरीज़ खेलेंगी। यह दौरा साउथ अफ्रीका की सीनियर टीम के भारत दौरे से पहले का अभ्यास दौरा होगा। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट और डब्ल्यूटीसी विजेता कप्तान टेम्बा बावुमा चोट से उबरकर दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में वापसी करेंगे।

वहीं, भारत 'ए' टीम की घोषणा अभी नहीं की गई है।

दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम का पूरा स्क्वॉड

अनऑफिशियल टेस्ट के लिए स्क्वॉड

मार्क्वेस एकरमैन, टेम्बा बावुमा*, ओकुहले सेले, जुबायर हम्जा, जॉर्डन हरमैन, रुबिन हरमैन, राइवल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली म्पोंगवाना, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायन, काइल सिमंड्स, त्शेपो न्दवांडवा, जेसन स्मिथ, तियान वान वुरेन, कोडी यूसुफ।

वनडे सीरीज़ के लिए स्क्वॉड

मार्क्वेस एकरमैन, ओटनाइल बार्टमैन, ब्योर्न फॉरच्यून, जॉर्डन हरमैन, रुबिन हरमैन, क्वेना माफाका, राइवल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली म्पोंगवाना, नकाबा पीटर, डेलानो पोटगीटर, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, सिनेथेम्बा क्वीशिले, जेसन स्मिथ, कोडी यूसुफ।

विलियमसन लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े

एजेंसी, मुम्बई

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन 2026 आईपीएल सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स में एक नई भूमिका में नजर आयेंगे। एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने कहा है कि विलियमसन टीम के रणनीतिक सलाहकार रहेंगे। गोयनका ने सोशल मीडिया में लिखा, विलियमसन का लखनऊ सुपर जायंट्स परिवार में रणनीतिक सलाहकार के रूप में स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। उनकी नेतृत्व क्षमता, रणनीतिक अंतर्दृष्टि, खेल की गहरी समझ और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम के लिए अमूल्य बनाती है। न्यूजीलैंड टीम के पूर्व कप्तान विलियमसन को आईपीएल का अच्छा खासा अनुभव है। आईपीएल में एक खिलाड़ी के तौर पर भी उन्होंने 10 सीजन खेले हैं। 2015 से 2014 तक वे आईपीएल में खेले हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 2018 में 735 रन बनाकर वे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। साल 2022 तक वे सनराइजर्स के लिए खेले और टीम की कप्तानी भी की। साल 2023 और 2024 में वे गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे हालांकि तब वह एक ही मैच खेल पाये। वहीं साल 2024 में उन्हें दो मैच खेलने के लिए मिले थे।

रोहित, विराट सहित भारतीय टीम ने किया अभ्यास

एजेंसी, पर्थ

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहुंचने ही भारतीय क्रिकेट टीम ने अभ्यास शुरु कर दिया है। भारतीय टीम यहां 19 अक्टूबर से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इस सत्र में सभी की नजरें अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली पर रहेंगी। ये दोनो बल्लेबाज करीब सात महीने बाद मैदान पर वापसी कर रहे हैं। दोनो ही इस सीरीज का महत्व जानते हैं। ऐसे में दोनो को अभ्यास सत्र में बल्लेबाजी करते देखा गया। विराट और रोहित फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से ही खेल से दूर हैं। इन दोनो ने ही नेट्स में करीब 30 मिनट तक बल्लेबाजी का अभ्यास किया। की। टीम के अभ्यास के दरान मुख्य कोच गौतम गंभीर भी पूरे समय उपस्थित थे। विराट और रोहित ने टी20 और टेस्ट से संन्यास ले लिया है। ऐसे में अब दोनो एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। जिस प्रकार से युवाओं को अवसर मिल रहा है। उससे हो सकता है ऑस्ट्रेलिया दौरा इन दोनो दिग्गजों का अंतिम दौरा हो। अगर ये दोनो इस सीरीज में विशेष प्रदर्शन करते हैं तभी भविष्य के लिए ये टीम में रह पायेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में सभी की निगाहें रोहित और कोहली के प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी। इसलिए यह सीरीज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इन दोनों के भविष्य को लेकर सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन दोनो का ही लक्ष्य विश्व कप 2027 खेलना है पर बढ़ती उम्र को देखते हुए अभी ये संभव नहीं दिख रहा है। नए कप्तान शुभमन गिल ने दोनों के लंबे अनुभव को टीम के लिए महत्वपूर्ण बताय है पर कोच और चयनसमिति ने भी तक इनको लेकर कोई सकारात्मक संकेत नहीं दिये हैं।

व्यापार

दुर्लभ मृदा खनिजों की आपूर्ति में सुधार के लिए कदम उठा रही है सरकार : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि सरकार दुर्लभ मृदा खनिजों की आपूर्ति में सुधार के उपायों पर काम कर रही है, जिसमें चिली और पेरू के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत, घरेलू अन्वेषण को बढ़ावा देना और रीसाइक्लिंग एवं प्रसंस्करण में स्टार्टअप्स को शामिल करना शामिल है। केंद्रीय वणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने राजधानी नई दिल्ली में एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसोचैम) के सालाना सम्मेलन और 105वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि व्यापारिक साझेदारियां संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी हों। गोयल ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि हाल के वर्षों में भारत में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि अब वह मजबूत स्थिति में बातचीत करता है, जो देश के बढ़ते आर्थिक आत्मविश्वास और मुक्त व्यापार समझौतों एवं अन्य व्यापारिक व्यवस्थाओं के प्रति भारत के दृष्टिकोण के संदर्भ में वैश्विक स्तर पर उसकी प्रतिष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने एमएसएमई को सशक्त बनाने और नवाचार एवं स्थिरता को बढ़ावा देने में एसोचैम की भूमिका पर भी जोर दिया, जो 2047 के विकासशील भारत के लिए आवश्यक है। गोयल ने कहा कि तांबा, लिथियम, निकल और कोबाल्ट जैसे दुर्लभ खनिज इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों से लेकर

लड़ाकू विमान तक कई उद्योगों के लिए जरूरी कच्चा माल हैं। ये खनिज तेजी से बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी विनिर्माण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। चिली, पेरू और ऑस्ट्रेलिया में इन खनिजों के भंडार मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौता लागू हो चुका है। दक्षिण अमेरिकी देशों चिली एवं पेरू के साथ भी बातचीत जारी है। भारतीय टीम अगले दौर की व्यापार वार्ता के लिए इन देशों का दौरा कर रही है। उन्होंने कहा कि चिली एवं पेरू जैसे दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ व्यापार समझौते की कोशिशों के पीछे दुर्लभ खनिजों की अहम भूमिका है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), मॉरीशस, ईएफटीए समूह और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए एफटीए भारत के निर्यात को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार 10,000 करोड़ रुपये की 'कोषों का कोष' योजना के लिए दिशा-निर्देश तैयार कर रही है, जो स्टार्टअप फर्मों के लिए लंबी अवधि की वित्तीय सहायता पर केंद्रित है। गोयल ने कहा कि भारत घरेलू खोज बढ़ाने, अवशिष्ट से खनिज निकालने वाले स्टार्टअप और देश में प्रसंस्करण सुविधाओं के निर्माण पर भी विचार कर रहा है। वाणिज्य मंत्री ने उद्योग को आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की सलाह देते हुए कहा, "हमें अपने आपूर्ति श्रृंखलाओं का मूल्यांकन करना चाहिए कि क्या वे किसी एक देश पर अधिक निर्भर हैं। यदि निर्भर हैं, तो हम कमजोर हो सकते हैं, खासकर उस समय जब व्यापार को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।" उनका इशारा चीन की तरफ था जिसने दुर्लभ खनिज तत्वों के निर्यात पर बंदिशें लगा दी हैं, जिससे दुनिया भर में इन खनिजों की आपूर्ति बाधित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक दृष्टिकोण भारत को अपने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा करने, निर्यात को बढ़ावा देने और निवेश एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के अवसर पैदा करने में सक्षम बनाता है।

शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला जारी, सेंसेक्स 688 अंकों की उछाल

नई दिल्ली। हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार में कमजोर शुरुआत के बाद विदेशी पूंजी के ताजा प्रवाह से तेजी लौटी आई है। लगातार तीसरे दिन शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक बीएसई और एनएसई में बढ़त जारी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 687.71 अंक यानी 0.82 की उछाल के साथ 84,155.37 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 193.95 अंक यानी 0.76 फीसदी की बढ़त के साथ 25,779.25 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। आज सेंसेक्स

शुरुआती कारोबार में 261.58 अंक फिसलकर 83,206.08 अंक पर और एनएसई का निफ्टी 76.7 अंक की गिरावट के साथ 25,508.60 अंक पर रहा। हालांकि, दोनों प्रमुख सूचकांक ने जल्द ही वापसी की और सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी कायम है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 862.23 अंक यानी 1.04 फीसदी उछलकर 83,467.66 के स्तर पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 261.75 अंक यानी 1.03 फीसदी की बढ़त के साथ 25,585.30 अंक पर बंद हुआ था।

धनतेरस से पहले सोना 1.30 के लाख पार, चांदी भी नई ऊंचाई पर

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा कारोबार में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार में लगातार पांचवें दिन शुक्रवार को सोने के वायदा भाव ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। चांदी ने भी सर्वोच्च स्तर छू लिया। इस समय घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,31,600 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,69,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव रिकॉर्ड तेजी पर कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत शुक्रवार को तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 1,174 रुपये की तेजी के साथ 1,31,026 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,29,852 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 1,778 रुपये की तेजी के साथ 1,31,630 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,31,699 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,31,026 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने आज 1,31,699 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 437 रुपये की तेजी के साथ 1,68,100 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,67,663 रुपये था। इस समय यह 1,434 रुपये की तेजी के साथ 1,69,097 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,69,200 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,67,006 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने 1,69,200 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर

छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेज रही और दोनों के भाव ऑल टाइम पर पहुंच गए। कॉमेक्स पर सोना 4,348.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,304.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 52.60 डॉलर की तेजी के साथ 4,357.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने 4,392 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 53.42 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 53.29 डॉलर था।

यूको बैंक का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 2.82 फीसदी बढ़कर 620 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप्त जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 2.82 फीसदी बढ़कर 620 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में यूको बैंक को 603 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। यूको बैंक ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंक का कुल कारोबार 5.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 13.23 फीसदी अधिक है। बैंक ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सकल अग्रिम 16.56 फीसदी बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि कुल जमा 10.85 फीसदी बढ़कर 3.06 लाख करोड़ रुपये रहा। यूको बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 0.62 फीसदी घटकर 2.56 फीसदी रही। यूको बैंक देश का एक प्रमुख बैंक है। इसका मुख्यालय कोलकाता में स्थित है।

निसान मैग्नाइट एएमटी सीएनजी के साथ लॉन्च, इंटीग्रेटेड फ्यूल लिड डिजाइन पेश

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया ने दिवाली से पहले भारतीय ग्राहकों को एक बड़ी खुशखबरी दी है। कंपनी ने अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी निसान मैग्नाइट के ऑटोमैटिक (EZ-शिफ्ट) वेरिएंट के लिए अब सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सुविधा शुरु कर दी है। पहले ये सुविधा सिर्फ मैनुअल वेरिएंट के लिए उपलब्ध थी, लेकिन ग्राहकों की शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए कंपनी ने इसे ऑटोमैटिक मॉडल के लिए भी लॉन्च कर दिया है। निसान मोटर इंडिया ने शुक्रवार को अपने सीएनजी रेट्रोफिटमेंट प्रोग्राम के विस्तार करने का ऐलान किया। जीएसटी परिषद के हालिया फैसले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर 28 से घटाकर 18 फीसदी करने के बाद कंपनी ने सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट की कीमत को घटाकर 71,999 रुपये कर दिया है। नई कीमतें 22 सितंबर से पूरे भारत में सभी अधिकृत निसान सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सेंटर पर प्रभावी हो गई हैं। कंपनी ने कहा कि सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सुविधा अपग्रेड के बाद भी कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई है। कंपनी ने कहा कि अब नई निसान मैग्नाइट BR10 EZ-शिफ्ट (एएमटी) के लिए सरकार से प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट की पेशकश

की गई है। नई निसान मैग्नाइट BR10 मैनुअल ट्रांसमिशन में रेट्रोफिटमेंट को लेकर ग्राहकों की मिली शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए उठाया गया है। निशान इंडिया मोटर ने कहा कि यह कदम सुगम, दक्ष और ग्राहकों को केंद्र में रखने वाले मोबिलिटी सॉल्यूशंस देने की निसान की प्रतिबद्धता की दिशा में एक और उल्लेखनीय पड़ाव है। कंपनी ने री-इंजीनियर्ड फ्यूलिंग सिस्टम की भी पेशकश की है। सीएनजी फिलिंग वाल्व को अब मौजूदा फ्यूल फिलिंग लिड के साथ इंटीग्रेट किया गया है, जिससे पहले के इंजन कंपार्टमेंट प्लेसमेंट को रिप्लेस करना संभव होगा। इस कदम से ज्यादा सहूलियत, तेज रिफ्यूलिंग और ग्राहकों को बेहतर एर्गोनॉमिक्स का अनुभव मिलेगा। सीएनजी रेट्रोफिट की हुई नई निसान मैग्नाइट के साथ 3 साल या 1 लाख किलोमीटर की वारंटी मिलेगी। कंपनी ने कहा कि भारत के 13 राज्यों में अधिकृत केंद्रों के माध्यम से सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट उपलब्ध है।

जिनी फिल्म के गाने 'अब्दी अब्दी में कृति शेट्टी और कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने शानदार बेली डांस परफॉर्मेंस से मचाई धूम

कृति शेट्टी के फैन्स का इंतज़ार अब खत्म हो गया है क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म जीनी का बहुप्रतीक्षित गाना अब्दी अब्दी आखिरकार रिलीज़ हो गया है, और यह किसी विज़ुअल धमाके से कम नहीं है। इस गाने में दोनों अभिनेत्रियाँ एक बिल्कुल नए अंदाज़ में नज़र आ रही हैं, जहाँ वे दिलकश बेली डांस परफॉर्मेंस के साथ सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। आकर्षक कोरियोग्राफी, मनमोहक दृश्य और थिरकने पर मजबूर कर देने वाली धुन के साथ, 'अब्दी अब्दी दोनों अभिनेत्रियों के लिए एक साहसिक बदलाव का प्रतीक है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और सीमाओं को लांघने की इच्छा शक्ति को दर्शाता है। कृति और कल्याणी के बीच की केमिस्ट्री साफ़ दिखाई देती है, और उनका तालमेल इस बात का प्रमाण है कि दोनों ने इस कठिन डांस कला को सीखने के लिए कितनी मेहनत की है। ट्रैक की शूटिंग के बारे में बात करते हुए, कृति ने बताया, मुझे कहना होगा कि गणेश आचार्य मास्टर ने इस गाने को बहुत खूबसूरती से कोरियोग्राफ किया है। उनकी टीम शूटिंग के दौरान भी बहुत सहयोगी और मददगार रही। उनके साथ काम करने की सबसे खास बात यह थी कि वे पूरे दिन, रिहर्सल के दौरान, हमारे साथ मौजूद रहते थे और हमें खुद आकर सुझाव देते थे कि हम कहाँ सुधार कर सकते हैं। उन्होंने वाकई हमारे साथ मिलकर काम किया और पूरी प्रक्रिया को एक बेहद खूबसूरत अनुभव बना दिया। चूँकि मैं और कल्याणी, दोनों ही पहले एक बेली डांस टीचर से ट्रेनिंग ले चुकी थीं, इसलिए यह ज़्यादा मुश्किल नहीं लगा। बस एक चीज़ थोड़ी मुश्किल थी, वो ये कि जब हमें रेत से भरे डांस फ्लोर पर शूट करना पड़ा, वहाँ घुमाव करना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन धीरे-धीरे हमने उसे भी संभाल लिया। कृति शेट्टी के लिए, अब्दी अब्दी उनके करियर में एक अहम मुकाम साबित हो रहा है। अब तक अपनी 'गर्ल-नेक्स्ट-डोर वाली छवि से पहचानी जाने वाली कृति ने इस गाने में एक आत्मविश्वासी, ग्लैमरस और सेंसुअल अंदाज़ में खुद को पूरी तरह बदल दिया है — जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा। बेली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन कृति ने पूरी लगन से इसकी तैयारी में खुद को झोंक दिया। इस कठोर प्रशिक्षण में न सिफ़र् इस डांस शैली के ख़ास हिप मूवमेंट और बॉडी अंडुलेशन्स को सीखने में महारत हासिल करना शामिल था, बल्कि कोरियोग्राफी को बेबाकी से करने के लिए ज़रूरी कोर स्ट्रेंथ और लचीलेपन का निर्माण भी शामिल था। उनकी यह मेहनत हर फ्रेम में झलकती है, और यही वजह है कि 'अब्दी अब्दी इस सीज़न के सबसे चर्चित गानों में से एक बन गया है। कल्याणी प्रियदर्शन भी कृति के साथ कदम से कदम मिलाती दिखती हैं, और अपने अलग अंदाज़ और ऊर्जा से परफॉर्मेंस को और भी निखार देती हैं। गाने की कोरियोग्राफी इस तरह रची गई है कि दोनों अभिनेत्रियों की विशेषताएँ उभरकर सामने आएँ, साथ ही उनके साथ किए गए सिंक्रोनाइज़ मूवमेंट्स गाने को एक नया स्तर पर पहुंचा देते हैं। ऐसा लगता है कि 'जिनी फिल्म दोनों अभिनेत्रियों का एक बिल्कुल नया रूप दिखाने वाली है, और अगर 'अब्दी अब्दी इसका संकेत है, तो दर्शकों के लिए यह फिल्म एक शानदार विज़ुअल और म्यूज़िकल अनुभव साबित होगी। यह गाना पहले ही सभी प्लेटफ़ॉर्म्स पर ट्रेंड कर रहा है, और दर्शक व समीक्षक दोनों इसकी बोल्ड कोरियोग्राफी और अभिनेत्रियों की मेहनत की जमकर तारीफ़ कर रहे हैं — जिन्होंने एक ऐसा बेली डांस परफॉर्मेंस दिया है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के किसी भी गाने को टक्कर दे सकता है।

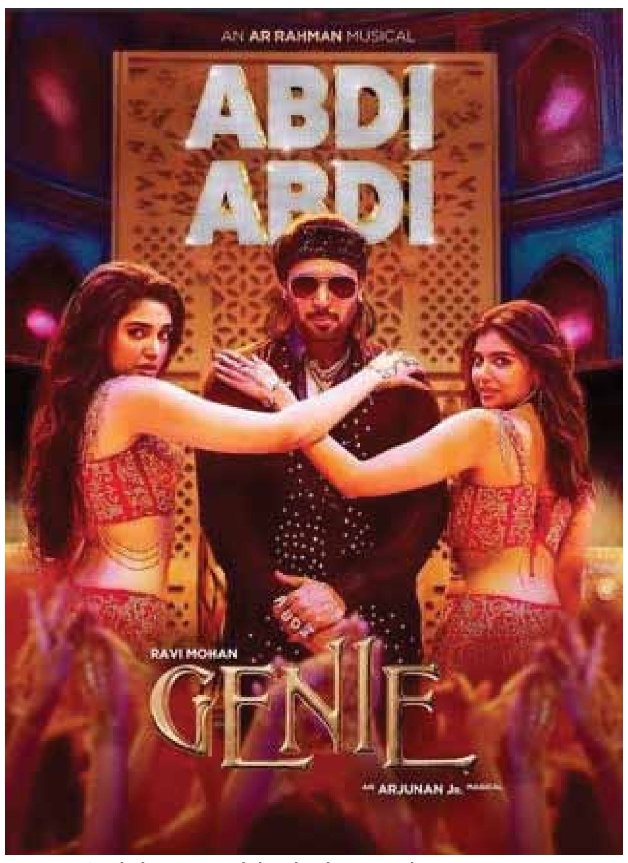

मोनालिसा ने बिजुरिया गाने पर साड़ी में डांस करते हुए वीडियो किया शेयर

भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह च्बिजुरियाज् गाने पर साड़ी पहनकर डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, थोड़ा डांसिंग मूड में, शॉट्स के बीच में और आखिर में इस गाने पर साड़ी में डांस करना। मोनालिसा का यह अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। च्बिजुरियाज् गाना इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त ट्रेंड कर रहा है। कई लोग इस गाने पर रील्स बनाकर इस ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं। यह गाना हाल ही में रिलीज हुई फिल्म च्सनी संस्कारी की तुलसी कुमारीज् का है, जो दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। इस गाने को मशहूर गायक सोनू निगम और असीस कौर ने अपनी मधुर आवाज में गाया है, जबकि इसका संगीत तनिष्क बागची और रवि पवार ने मिलकर तैयार किया है। गाने के बोल भी सोनू निगम और तनिष्क बागची की जोड़ी ने लिखे हैं। दिलचस्प बात यह है कि च्बिजुरियाज् का मूल संस्करण साल 1999 में रिलीज हुआ था। यह सोनू निगम के म्यूजिक एल्बम च्मौसमज् का सुपरहिट गाना था, जिसे सोनू निगम ने खुद गाया और लिखा था। उस समय इसका संगीत रवि पवार ने तैयार किया था, और यह गाना युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ था। अब इसके नए वर्जन ने फिर से धूम मचा दी है। फिल्म च्सनी संस्कारी की तुलसी कुमारीज् का लेखन और निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है और 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म की कहानी और इसके गाने दर्शकों को खूब भा रहे हैं।

गोडे गोडे चा 2 का बिल्लो जी इस सीज़न का प्यार भरा एंथम है, जो आपको जरूर सुनना चाहिए

प्यार को मिला देसी ढोल का ट्विस्ट। गोडे गोडे चा 2 का अगला म्यूज़िकल जेम च्बिल्लो जीज् अब रिलीज़ हो चुका है, जिसे गाया है दमदार जोड़ी एमी विर्क और गुरजैज़ ने। कप्तान के मज़ेदार बोल और एन वी के जोश से भरपूर भांगड़ा बीट्स के साथ, यह गाना दिखाता है कि अपने प्यार को रिझाने के लिए स्टाइल, सच्चाई और जबरदस्त डांस के साथ लड़के किस हद तक जा सकते हैं। यह गाना शरारती भी है, रंगीन भी और सबसे खास बात, यह इस सीज़न का सबसे बड़ा लव एंथम बनने जा रहा है। गाने के बारे में बात करते हुए, एमी विर्क ने कहा, बिल्लो जी एक बहुत ही खूबसूरत वाइब है। यह खेल-उल्लास, रोमांटिक और फुल-ऑन भांगड़ा एनर्जी वाला ट्रैक है, जो इसे सुनने वाले को अपने पैरों पर थिरकने पर मजबूर कर देता है। यह प्यार का पंजाबी अंदाज़ में जश्न है और मुझे पूरा यकीन है कि यह हर लड़के का फेवरेट एंथम बन जाएगा। गाने पर अपने उत्साह व्यक्त करते हुए, विजय कुमार अरोड़ा ने कहा, बिल्लो जी के ज़रिए हमने उस चुलबुले व बड़े पैमाने के पंजाबी रोमांस को कैप्चर करने की कोशिश की है, जहाँ हर इमोशन ज़ोरदार है और हर जेस्चर ग्रैंड। यह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि फिल्म का वह पल है, जहाँ एनर्जी अपने शिखर पर पहुँच जाती है और मैं यकीन के साथ कह सकता हूँ कि दर्शक भी उस जादू को महसूस करेंगे। गोडे गोडे चा 2 नेशनल अवॉर्ड विजेता ब्लॉकबस्टर ओरिजिनल की परंपरा को आगे बढ़ाता है, जिसमें जेंडर को-एग्ज़िस्टेंस पर एक नई और मनोरंजक नज़र डाली गई है। ज़ी म्यूज़िक द्वारा जारी इसका संगीत एल्बम इस सीज़न की सबसे रोमांचक म्यूज़िकल रिलीज़ में से एक बनता जा रहा है। अपनी झूमाने वाली रिदम और प्यार के रंगीन जश्न के साथ, च्बिल्लो जीज् आने वाले समय की झलक पेश करता है। गोडे गोडे चा 2, जिसे ज़ी स्टूडियोज़ और वीएच एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है, 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है। शक्तिशाली थीम्स और हाई-एनर्जी म्यूजिक के इस मेल से यह फिल्म दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ सोचने पर मजबूर करने वाला सिनेमा अनुभव भी प्रदान करेगी।

विद्या बालन ने बताया आकर्षण के नियम की वजह से उन्हें मिली थी परिणीता

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने सोमवार को बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म च्परिणीताज् कैसे मिली थी। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। विद्या ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह सीखो ना नैनो की भाषा पिया गाने पर एक्टिंग करती दिखाई दे रही हैं। इस गाने के बारे में बात करते हुए विद्या ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार यह गाना सुना, तो उन्हें तुरंत यह पसंद आ गया और वह प्रदीप सरकार जैसे निर्देशक के साथ काम करने के सपने देखने लगी थीं। विद्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मुझे गानों पर लिप सिंक करना बहुत पसंद है और यह गाना मुझे बहुत पसंद है। जब मैंने इसे पहली बार देखा, तो मैं प्रसून जोशी के गीत से उतनी ही प्रभावित हुई जितनी कि इसके फिल्मांकन से। इसी दौरान मेरे मन में इस कुशल कहानीकार प्रदीप सरकार के साथ काम करने की इच्छा भी जागी। इसमें उन्होंने आगे बताया कि कैसे उन्हें अपनी पहली फिल्म च्परिणीताज् मिली। उन्होंने आगे लिखा, मुझे पता भी नहीं था कि ब्रह्मांड ने अपना जादू चलाना शुरू कर दिया है। कुछ साल बाद मुझे दादा के साथ एक विज्ञापन फिल्म मिली और फिर किस्मत से मुझे उनके तीन म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। सबसे खास बात यह थी कि च्किस्सों की चादरज् एल्बम में काम करने का मौका मिला। इतना ही नहीं, आखिरकार दादा ने मुझे परिणीता में लॉन्च किया। आकर्षण के नियम को श्रेय देते हुए विद्या ने अंत में कहा, मुझे नहीं पता कि इसे च्आकर्षण का नियमज् कहा जा सकता है या नहीं, लेकिन मुझे पता है कि मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं, जैसे मैं जीवन में बहुत सी दूसरी चीजों के लिए हूं। प्रदीप सरकार की फिल्म च्परिणीताज् को कुछ समय पहले ही रिलीज हुए 20 साल पूरे हुए। इस मौके पर मूवी को फिर से री-रिलीज किया गया था। यह फिल्म शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के 1914 के प्रतिष्ठित बंगाली उपन्यास पर आधारित है। इस फिल्म में विद्या बालन और सैफ अली खान की जोड़ी नजर आई थी।

Supreme Court orders compensation, forms committee to protect transgender rights

New Delhi, Agency: The Supreme Court on Friday condemned the actions of two schools — one in Uttar Pradesh that expelled a transwoman teacher and another in Gujarat that later denied her a job within a year — ordering compensation for the transwoman and forming a committee to draft an Equal Opportunity policy for transgender individuals.

"This judgment will go a long way in protecting the rights of transgender persons," said a bench of justices JB Pardiwala and R. Mahadevan as it laid down guidelines against discrimination of the third gender.

The court was hearing a petition filed by Jane Kaushik, a transwoman, who approached the court citing discrimination based on gender after UP's Lakhimpur Kheri school fired her in December 2022, following which she applied at a school in Gujarat that refused to grant her employment in July 2023, allegedly on grounds of her gender.

The top court said that the committee, headed by former Delhi High Court judge Asha Menon, with members drawn from civil society including transgender activists, academicians, and health experts, will study the subject and propose the Equal Opportunity Policy. It also urged the committee to set up a grievance redressal mechanism and ensure protection of gender non-conforming and gender-diverse persons.

The court ordered compensation to the petitioner for her wrongful termination and said, "With this judgment, the future of the third gender should be secure."

The petition, argued by senior advocate Yashraj Singh

Deora, challenged Kaushik's termination, seeking effective protection for the third gender despite the Supreme Court's landmark decision in NALSA v Union of India (2014) granting them legitimate recognition. The plea sought reinstatement, with Deora stating that the present case exposed the structural discrimination and harassment faced by transgender persons on the grounds of their gender.

The Supreme Court had passed the NALSA judgment in 2014, which ordered the Centre and states to treat transgender persons as "socially and educationally backward classes and extend all kinds of reservation" in government jobs and higher education.

Kaushik, a resident of Delhi, also accused the Centre and states of not complying with the Transgender Persons (Protection of Rights) Act, 2019, in letter and spirit and sought equal guarantee of protection of rights and employment opportunities for transgender persons.

The Supreme Court last year sought replies from the Centre, Uttar Pradesh, and Gujarat on a petition moved by Kaushik. "The grievance of the petitioner is that her services were terminated in schools of UP and Gujarat after her gender identity was revealed. The petitioner says that she cannot pursue her remedies in two different high courts. Issue notice to the Union and the states, returnable after four weeks," directed a bench led by Chief Justice of India (CJI) Dhananjaya Y. Chandrachud.

After she was sacked by the UP school, a district-level panel appointed by the National Commission for Women (NCW), Delhi, was set up to investigate whether Kaushik was sacked due to her gender identity. However, in a January 2023 report, the NCW panel gave a clean chit to the school in question and called Kaushik's allegations "baseless." The NCW report was then challenged by Kaushik before the top court.

'8 fadne ne 8': WhatsApp call recording exposes Punjab top cop's bribery demand

New Delhi, Agency: Punjab Police deputy inspector general (DIG) of police, Harcharan Singh Bhullar is at the centre of a huge controversy following his arrest by the CBI over alleged bribery demand of ?8 lakh from a scrap dealer.

However, a bigger shock awaited the probe agency later as it found piles of cash worth ?5 crore, luxury cars (Mercedes and Audi), 22 luxury watches, imported liquor bottles and jewelley weighing 1.5 kg upon a search.

Harcharan Singh Bhullar's bribery expose' came following a complaint by the scrap dealer, identified as Akash Bhatta.

Bhullar, son of former Punjab director general of police Mehal Singh Bhullar, allegedly used a middleman named 'Kirshanu' to demand a bribe from Bhatta, and also demanded "sewa-paani", recurring bribes, to ensure that no further police action was taken against the scrap dealer's business.

The monthly payments were reportedly for "settling" a 2023 FIR against the scrap dealer.

How a WhatsApp call exposed Ropar DIG

Harcharan Singh Bhullar, a 2007-batch Indian Police Service (IPS) officer, assumed charge as the DIG of the Ropar range in November last year.

In the case rising from a complaint made by the scrap dealer to the CBI on October 11, Bhullar threatened to falsely implicate Bhatta in criminal cases unless he met the bribe demands.

Sub-inspector Sachin Singh of the anti-corruption branch (ACB) led the CBI investigation into the case and discovered severely incriminating evidence against Bhullar.A recorded WhatsApp call between Bhullar and middleman Kirshanu exposed the Ropar DIG's offence. In their conversation, Bhullar is heard saying, "8 fadne ne 8 (Collect 8 lakh from him)".

No more 'ORS' on brand labels, products: What food regulator's move means

New Delhi, Agency: India's food regulator, the Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI), has directed all food and beverage companies to stop using the term "ORS" (Oral Rehydration Solution) on their products. The order covers cases where the term appears alone, with any prefix or suffix, or as part of a trademark in the product name.In its official statement, the FSSAI said, "The use of the term 'ORS' in the trademarked name or in the naming of any food product otherwise, whether fruit-based, non-carbonated, or ready-to-drink beverages, even when accompanied by a prefix or suffix, constitutes a violation of the provisions of the Food Safety and Standards Act, 2006 and the regulations made thereunder."

New food labels: What your snack won't be able to hide anymore

The regulator has instructed all relevant authorities to ensure

strict compliance with the labelling and advertisement rules set out under the Food Safety and Standards Act, 2006, and the regulations framed under it.

Previous orders and FSSAI's latest clarification

Previous orders from the Centre (July 14, 2022 and February 2, 2024) had allowed the use of the term "ORS" on labels as part of a trademark with a prefix or suffix in the product name. This was allowed only if the label carried the statement, "The product is NOT an ORS formula as recommended by WHO."

Shilpa Shetty pulls travel plea after Bombay HC's reluctance for relief

New Delhi, Agency: Actor Shilpa Shetty on Thursday withdrew her application before the Bombay High Court seeking permission to travel abroad, after the bench expressed its unwillingness to grant her relief.

Shetty and her businessman husband Raj Kundra have approached the court challenging Look Out Circulars (LOCs) issued against them by the Mumbai police's Economic Offences Wing (EOW) in connection with a 60.48-crore cheating case.

Appearing before a division bench of chief justice Shree Chandrashekhar and justice Gautam Ankhad, their counsel, advocate Niranjan Mundargi, informed the court that Shetty was not pressing her plea as her plans to travel had not materialised. "As and when she and her husband desire to travel in future, they will file a fresh application seeking permission from the court," Mundargi said.

Shetty had earlier sought to visit Los Angeles between October 21 and 24 to attend a YouTube event, and later Colombo and the Maldives for business-related engagements linked to her hospitality venture, Hotel Bastian.

The court, however, had questioned the necessity of her travel and sought to examine the invitation or agreement for the event.

Stalker slits Bengaluru student's throat after rejection, manhunt on

New Delhi, Agency: A 20-year-old college student was brutally murdered in Karnataka's Bengaluru after she allegedly rejected the advances of a stalker, police said on Thursday.

Police said the accused, who has been identified and is believed to be from the same locality, allegedly slit her throat with a knife and fled the spot. A massive manhunt has been launched to arrest him, PTI reported.

The victim, Yamini Priya, a resident of Swatantra Palya, was a B Pharma student at a private college in Banashankari. According to police, the incident occurred while she was on her way home.

The victim was attacked near the railway tracks under Srirampura police limits while she was on her way home from college. The suspect, who allegedly came on a two-wheeler, slit her

throat with a knife before fleeing the spot.

The incident came to light when the police received information about a woman's body being found near the tracks.

On verification, it was found to be the body of a 20-year-old woman with injuries on her face and neck.

"Information was received about a woman's body being found near a railway track under Srirampura limits. On spot verification by our officials, it was found to be the body of a woman aged about 20 years with injuries on her face and neck," Babasab Nemagoud, Deputy Commissioner of Police (North), said.

Preliminary investigations revealed that the accused allegedly followed her on a two-wheeler, intercepted her and slit her throat before escaping.

Police suspect that the accused had been stalking Yamini for the past few days and had proposed to her. However, she allegedly refused his advances, which angered him.

"We have some information about the culprit. He is said to be from the same locality. Once he is secured, we will get more details," DCP Nemagoud said.

Manhunt on

"We have registered a case based on a complaint from her relatives, and efforts are on to nab the culprit. Further investigations are underway," he said.

Teams have been formed to nab the culprit, police said, adding that further investigation is underway.

India should take on greater role in Egypt's Suez Canal Economic Zone: Abdelatty

NEW DELHI, Agency: Egypt is eyeing more investments from India, especially in emerging sectors such as digitalisation, artificial intelligence and renewable energy, and is keen for India to take on a greater role at the Suez Canal Economic Zone (SCEZ), Egyptian foreign minister Badr Abdelatty said on Friday.

While two-way trade was worth $5.2 billion in 2024-25, including Indian exports of $3.84 billion and imports of $1.3 billion from Egypt, Abdelatty said both sides are looking to double trade. Indian investors opting for Egypt can benefit from the country's strategic location and trade deals with African and Arab countries, he said.

Relations between India and Egypt, both members of the Brics grouping, got a boost when Egyptian President Abdel Fattah El-Sisi visited New Delhi in 2023 as the chief guest at the Republic Day celebrations. The two sides elevated their ties to a strategic partnership during the visit and set a target of doubling trade by 2028.

"The trade volume is $5.2 billion, but there is room to double it," Abdelatty told a group of journalists at the conclusion of his visit to New Delhi for the first bilateral strategic dialogue.

"India is number six among foreign investors. There is room to increase Indian investments, especially in light of the conducive environment and very aggressive policies

of the Egyptian government."

In addition to removing administrative and bureaucratic hurdles and providing facilitation in taxes and customs duties, Egypt plans to cap public investments at about $20 billion to give more space to the private sector. Egypt's national strategy envisages that 70% of investments come from the private sector by 2030.

Egypt has traditionally been one of India's most important trade partners in Africa, with a bilateral trade agreement in place since 1978. A total of 55 Indian companies have invested more than $4 billion in Egypt, and India's renewable energy companies ReNew and OCIOR have signed MoUs worth $12 billion with the Egyptian government for setting up green hydrogen plants.

Abdelatty listed Egypt's free trade agreements (FTAs) with several blocs, including the Africa Continental Free Trade Agreement, Arab Free Trade Agreement and Egypt-European Union Association Agreement, among the incentives for Indian investors, saying that they give access to markets with two billion customers.

"President Sisi has instructed the government to provide a conducive environment, all facilitations to Indian companies to do business in not only traditional sectors such as chemicals, pharmaceuticals and minerals, especially phosphates and fertilisers, but also new sectors such as digitalisation, artificial intelligence and renewable energy," he said.

Indian companies are interested in investing in producing green ammonia and green hydrogen because Europe, which is not far from Egypt, has a target of importing 10 million tonnes of these renewables every year, he said.